केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 174 शुक्रवार 17 जनवरी 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्यः3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

गेंहूं के खेत में मिला नवजात गोरखपुर रेफर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बस्ती के कलवारी थानाक्षेत्र के महुआपार गांव की महिला को बनहरा सीएचसी के पास नवजात मिला था। इसकी जानकारी चाइल्ड लाइन हेल्पलाइन को हुई। सूचना पर टीम गांव पहुंची। चाइल्ड लाइन टीम ने नवजात को अपनी सुपुर्दगी में ले लिया। बच्ची का स्वास्थ्य ठीक नहीं होने से उसे गोरखपुर मेडिकल कॉलेज भेजा गया।

बताते चलें कि महुआपार गांव में एक नवजात गेहूं के खेत में रोती मिला था। सीता नामक महिला उसे इलाज के लिए सीएचसी लेकर गई थी। सोशल मीडिया से सूचना वायरल होने पर थाना प्रभारी जनार्दन प्रसाद ने इसकी जानकारी चाइल्ड हेल्प लाइन को दी।

जानकारी मिलते ही सीडब्लूसी की प्रियंका चौधरी, सपना सिंह पुलिस चौकी गायघाट पहुंचीं, जहां से एक पुरुष और एक महिला कांस्टेबल साथ लेकर सीडब्ल्यूसी की टीम ने अपनी सुपुर्दगी में लिया। बाल संरक्षण अधिकारी वीना सिंह ने बताया कि नवजात को इलाज के लिए गोरखपुर रेफर कर दिया गया है।

2 जिला बदर दबोचे गये

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। दो लोगों पर पुलिस ने गुण्डा एक्ट लगाया। कोर्ट ने उन्हें गुण्डा माना और जिला बदर कर दिया। लेकिन वह जिले में घूमते मिले। वाल्टरगंज पुलिस ने इन दोनों जिला बदर आरोपितों को पकड़ा है।

पुलिस कार्यालय के अनुसार जिलाबदर का उल्लंघन कर दोनों आरोपी अकरम व शमसुद्दीन निवासी ग्राम मझौवामीर थाना वाल्टरगंज अपने क्षेत्र में रह रहे थे। दोनों के खिलाफ चार आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। अब दोनों के खिलाफ 10 गुंडा नियंत्रण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

ब्लाक प्रमुख अनिल दुबे ने किया पौष्टिक आहार किट का वितरण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

कुदरहा (बस्ती)। ब्लाक सभागार में गुरुवार को प्रधानमंत्री टीबी मुक्त अभियान के तहत टीबी रोगियों को गोद लेकर ब्लाक प्रमुख अनिल दुबे,बीडीओ आलोक कुमार पंकज व डा फैजवारिस ने रोगियों को पौष्टिक आहर का किट सौपा। जिसमें 112 लोग प्रोटीन युक्त सामग्री से लाभांवित हुए। ब्लाक प्रमुख अनिल दुबे ने कहा ग्राम पंचायतो से टीबी रोग को भगाना है। इसके लिए जनप्रतिनिधियों व कर्मचारियों की सहभागिता चढ बढ कर होनी चाहिए। जो आहार दिया जा रहा है समय से उसका उपभोग करे। जिससे आप सभी शीघ्र स्वस्थ हो सके। जो व्यक्ति जिस रोगी को गोद लिया है उसे उपचार अवधि तक आहार देने की जिम्मेदारी भी है।

खण्ड विकास अधिकारी आलोक कुमार पंकज ने बताया कि टीबी मुक्त गांव बनाने की जिम्मेदारी हम सब की है। इसमे किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाएं। किसी भी रोगी को कोई समस्या आती है तो हमसे सीधे सम्पर्क कर सकता है।

डा. फैजवारिस ने बताया कि टीबी रोगियो को मदत करने वाले को निःक्षय मित्र के नाम से जाना जाएगा। निःक्षय मित्र कर्मचारी, जनप्रतिनिधि, एनजीओ, प्रधानाध्यापक व गांव का कोई भी व्यक्ति बन सकता है। थैले में मूंगफली, गुड़, गजक, भुना चना, हारलेक्स व सत्तू जैसे पौष्टिक आहार दिया गया है जिसका सेवन करने के साथ ही साथ डाक्टर के अनुसार दवा भी ले।

कार्यक्रम में एडीओ पंचायत सुबाष चंद्र, अमित शुक्ला, दीपक श्रीवास्तव,पंकज पांडेय, राजेश यादव, राम प्रकाश यादव, इंद्रकुमार चौधरी, पवन सिंह, अजय पाल, बब्लू सिंह, ओमकार चौधरी, अजीत चौधरी, कुलदीप यादव, गोरख यादव, महेंद्र यादव, सतेंद्र तिवारी, शदरुद्दीन सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

आठवें वेतन आयोग को मंजूरी

नई दिल्ली (आभा)। मोदी सरकार ने गुरुवार को केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को बड़ा तोहफा दिया है। सरकार ने आठवें वेतन आयोग को मंजूरी दे दी है। केंद्र सरकार के इस फैसले के बाद से देशभर में लाखों सरकारी कर्मचारियों की सैलरी में बंपर इजाफा होने का रास्ता साफ हो गया है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने फैसले की जानकारी देते हुए बताया कि केंद्रीय कर्मचारियों के वेतन में संशोधन के लिए सरकार ने 8वें वेतन आयोग को मंजूरी दी है।

केंद्रीय मंत्री ने एक प्रेस ब्रीफिंग में कहा, "1947 से अब तक सात वेतन आयोग लागू हो चुके हैं। पीएम मोदी ने एक रेग्युलर पे कमिशन बनाने का संकल्प लिया था, जिसके हिसाब से 2016 में सातवां वेतन आयोग शुरू हुआ था, जोकि 2026 तक चलना था, लेकिन उससे एक साल पहले ही सरकार ने इसे मंजूर कर दिया गया है।'

वेतन आयोग का गठन हर 10 साल में एक बार किया जाता है ताकि कर्मचारियों के वेतन और रिटायर्ड कर्मचारियों को दी जाने वाली पेंशन में लगातार संशोधन करने के लिए सिफारिश की जा सके। महंगाई समेत कई फैक्टर्स के हिसाब से सैलरी और पेंशन में इजाफा किया जाता है। आखिरी वेतन आयोग यानी कि सातवें वेतन आयोग का गठन पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की नेतृत्व वाली सरकार ने साल 2014 में किया था। इसके बाद 2016 में सिफारिशों को मोदी सरकार ने लागू किया था।सातवें वेतन आयोग से पहले, चौथे, पांचवें और छठे वेतन आयोगों का कार्यकाल भी 10–10 सालों का था। इसी वजह सरकारी कर्मचारी काफी समय से आठवें वेतन आयोग के गठन की मांग कर रहे थे।

संसद में भी आठवें वेतन आयोग को लेकर सवाल पूछा जा चुका है। हालांकि, उस समय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने साफ किया था कि सरकार के पास फिलहाल आठवें वेतन आयोग के गठन के लिए कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। इसके बाद, ऑल इंडिया स्टेट गवर्नमेंट एम्प्लॉय फेडरेशन ने पिछले महीने दो टूक कहा था कि अगर नए साल पर आठवें वेतन आयोग को लेकर उनकी मांगों को नहीं मांगा गया तो देशव्यापी प्रदर्शन होगा। इसके साथ ही नेशनल काउंसिल (स्टाफ साइड) ज्वाइंट कंसेलटेटिव मशीनरी ने भी केंद्रीय कैबिनेट सचिव को लेटर लिखकर तुरंत ही नए वेतन आयोग की मांग की थी।

केक काटकर मनाया कांग्रेस सांसद तारिक अनवर का 74 वां जन्म दिन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । गुरुवार को जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय पर पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं कौमी तंजीम के राष्ट्रीय अध्यक्ष सांसद तारिक अनवर का 74 वां जन्म दिन सादगी के साथ केक काटकर कौमी तंजीम के जिलाध्यक्ष डा. मारूफ अली के संयोजन में मनाया गया।

इस मौके पर कौमी तंजीम के प्रदेश महासचिव अतीउल्ला सिद्दीकी, प्रदेश सचिव सुबुही निकहत, नफीस अहमद, राजेन्द्र गुप्ता, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता नोमान अहमद, रामबचन भारती ने कहा लगातार 9 बार से बिहार राज्य के कटिहार से निर्वाचित होने वाले तारिक अनवर ने गंगा जमुनी तहजीब को सदैव मजबूती दिया है। वक्ताओं ने उनके सुदीर्घ स्वस्थ जीवन की कामना किया। इस मौके पर मुख्य रूप से सद्दाम हुसैन, शकुन्तला देवी, राकेश पाण्डेय गांधियन, अवधेश सिंह, वसीर अहमद, इजहार अहमद आदि शामिल रहे।

पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के जन्म दिन पर रोपे पौध

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री सुश्री बहन मायावती के 69 वें जन्म दिन के उपलक्ष्य में बस्ती सदर विकास खण्ड के मूडाडीहा गांव में अधिवक्ता विक्रम गौतम के संयोजन में बाबा साहब की प्रतिमा के निकट अम्बेडकर पार्क में पौध रोपित किया गया। विक्रम गौतम ने कहा कि सुश्री मायावती से बहुजन समाज को बहुत उम्मीदें हैं कि वे उनके अधूरे सपनों को साकार करेंगी। इस मौके पर मूलचन्द आजाद, रामशंकर आजाद, मंगल सिंह राव, राजरायन, राजेश, बृजेश कुमार, शेषराम, प्रदीप कुमार, शेषनाथ, नीरज कुमार, रोहन, अमन कुमार, हरिकेश, शक्तिमान आदि शामिल रहे।

20 लाख के चोरी का खुलासाः एक गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। परसरामपुर थाने की पुलिस ने 20 लाख की चोरी का खुलासा करते हुए एक अभियुक्त को अरेस्ट किया है, श्रृंगनारी गांव में बीते 14 जनवरी को 20 लाख के जेवर और नगदी चोरी का पुलिस ने खुलासा करते हुए एक अभियुक्त सरवन कुमार मौर्या को गिरफ्तार किया है, पकड़ा गया अभियुक्त लखीमपुर खीरी जनपद का रहने वाला है।

बीते 14 जनवरी को रामजनक वर्मा ने थाने पर तहरीर देकर 20 लाख के जेवर और नगदी की चोरी के सूचना दी थी, राम जनक वर्मा की सीमेंट और सरिया की दुकान है, उन्होंने तहरीर देकर बताया कि उनकी अलमारी तोड़ कर 20 लाख की नगदी और जेवर चोरी हुए हैं, पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू की, रामजनक वर्मा ने तहरीर में बताया कि उनके मैरेज हाल में सरवन कुमार मौर्या काम करता है वही घर के अंदर आता जाता था, पुलिस ने जब सरवन की तलाश शुरू की तो लखीमपुर खीरी के सरवाल गांव में उस को पकड़ा, पूछताछ में उसने चोरी का जुर्म कुबूल कर लिया, उस के घर से चोरी की नगदी समेत 20 लाख के चोरी के जेवरात पुलिस ने बरामद किया, पकड़े गए अभियुक्त के खिलाफ छठें की धारा 306 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

एसपी अभिनंदन ने बताया कि अभियुक्त सरवन को अरेस्ट कर लिया गया है, उस के पास से चोरी के जेवर और 1 लाख 2 हजार नगदी बरामद की गई है, पकड़े गए अभियुक्त के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जेल रवाना किया गया है।

साफ्टवेयर इंजीनियर ने मालगाडी के सामने लगाई छलांग, मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बभनान में सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने ट्रेन के सामने छलांग लगा दी। ट्रेन की चपेट में आने से उसकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई। स्टेशन मास्टर की सूचना पर पहुंची जीआरपी ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गोंडा भेज दिया। बुधवार की देर शाम पौने आठ बजे बभनान रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक के पश्चिमी छोर पर अप लाइन से गुजर रही मालगाड़ी के सामने एक युवक ने छलांग लगा दी। ट्रेन की चपेट में आने से उसका शव क्षत–विक्षत हो गया और घटना स्थल पर ही उसकी मौत हो गई। इसकी सूचना स्टेशन मास्टर बभनान ने जीआरपी मनकापुर को दी।

घटना स्थल पहुंचे जीआरपी चौकी प्रभारी मनकापुर राम समुझ सरोज ने जामा तलाशी कराई तो उसके पास यात्रा संबंधी कोई अधिकार पत्र नहीं मिला। सोशल मीडिया के जरिए शव के शिनाख्त की कार्रवाई शुरू की। गुरुवार की सुबह मृतक के छोटे भाई गोंडा जनपद के खोड़ारे थाना क्षेत्र के तिलया गांव निवासी गयादीन गुप्ता पुत्र राम शंकर गुप्ता व ग्रामीणों ने मनकापुर पहुंच शव की शिनाख्त अपने मंझले भाई लोचन गुप्ता (35) पुत्र राम शंकर गुप्ता के रूप में की।

इसकी सूचना परिजनों को मिली तो पिता राम शंकर गुप्ता, मां चंद्रावती, बड़े भाई बेचन गुप्ता का रो–रो कर बुरा हाल हो गया। मृतक के चचेरे भाई ने बताया कि लोचन गुप्ता ने बीटेक किया था। वर्तमान समय में वह बेंगलुरु में 30 लाख रुपए के पैकेज पर सॉफ्टवेयर इंजीनियर के पद पर तैनात था। कुछ दिन पूर्व घर आया था और स्वयं का एजुकेशन प्लेटफार्म लॉन्च करना चाह रहा था।

बभनान अस्थाई जीआरपी चौकी प्रभारी संजय सिंह ने बताया कि देर शाम ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत हो गई थी। चौकी प्रभारी मनकापुर द्वारा शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए गोण्डा भेज दिया।

सैफ अली खान पर चाकू से हमला करने वाले संदिग्ध की तस्वीर आई सामने

मुम्बई (आभा)। बॉलीवुड कलाकार सैफ अली खान पर चाकू से हमला करने वाले संदिग्ध की तस्वीर सामने आई है। यह बांद्रा स्थित सैफ के फ्लैट 'सतगुरु शरण' की सीसीटीवी फुटेज से ली गई है। तस्वीर में संदिग्ध को बिल्डिंग की सीढ़ियों का इस्तेमाल करते हुए देखा गया है। पुलिस ने इसे सार्वजनिक कर संदिग्ध की पहचान करने और उसे पकड़ने के प्रयास तेज कर दिए हैं। हमलावर ने घटना को अंजाम देकर मौके से फरार होने के लिए फ्लैट की सीढ़ियों का इस्तेमाल किया। उसकी तस्वीर छठे फ्लोर पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिससे पुलिस को उसकी पहचान करने में मदद मिली है। फुटेज में संदिग्ध ब्लैक सी टीशर्ट पहने है। उसने पीठ पर बैग टांग रखा है। सैफ 12वीं मंजिल पर रहते हैं। पुलिस की शुरुआती जांच में सीसीटीवी फुटेज में हमलावर आता नहीं दिखा था। घटना के बाद के फुटेज में उसे सीढ़ियों से जाते देखा गया।पुलिस के सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, सैफ के घर काम करने वाली मेड वारदात के वक्त मौजूद थी। उसने ही संदिग्ध को घर में देखा तो रोकने की कोशिश। मेड ने बताया कि उसे भी चोट आई। जब उसने शोर मचाया तो सैफ जा गए। सैफ के साथ आरोपी की हाथापाई हुई। इससे सैफ को गंभीर चोटें आई थीं। उन्हें तुरंत लीलावती हॉस्पिटल ले जाया गया। सैफ खतरे से बाहर हैं। डॉक्टर्स ने उन्हें 24 घंटे निगरानी में रखा है।

भाग रहे गो तस्करों ने एक को रौंदा, मौत, पुलिस मुठभेड़ में तीन को लगी पैर में गोली

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नाकाबंदी तोड़कर भाग रहे गो तस्करों ने एक व्यक्ति को रौंद दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। इस सूचना पर अलर्ट हुई पुलिस ने पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र में घेराबंदी की। पुलिस को देख बदमाशों ने गोली चला दी। जवाबी करवाई में तीनों बदमाशों के पैर में गोली लगी है। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एसपी अभिनंदन ने बताया कि बुधवार की देर रात्रि गश्त के दौरान थाना गौर पर सूचना प्राप्त हुई कि एक पिकअप से कुछ गोवंश को कहीं ले जाया जा रहा है। जिस पर थाना गौर पुलिस ने पिकअप का पीछा किया गया। बदमाश थाना वाल्टरगंज होते हुए थाना पुरानी बस्ती क्षेत्र के पाण्डेय बाजार पहुंचे। यहां उनके वाहन की चपेट में आकर एक अज्ञात व्यक्ति घायल हो गया, जिसकी सदर अस्पताल बस्ती में मौत हो गयी।

पुरानी बस्ती, थाना गौर और थानू वाल्टरगंज पुलिस की संयुक्त टीम ने थाना पुरानी बस्ती के सबदेईया कला के पास भाग रहे गो तस्करों को रोका तो पुलिस टीम पर फायर कर दिया। इस दौरान थानाध्यक्ष पुरानी बस्ती व थानाध्यक्ष वाल्टरगंज के बुलेट प्रूफ जैकेट पर गोली लगी। जवाबी करवाई में आरोपी असीम निवासी बंगला आजादपुर थाना कोतवाली जनपद रामपुर के दायें पैर में गोली लगी है। आरोपी राजेश निषाद निवासी ग्राम मोहम्मदपुर कटहर थाना कोतवाली खलीलाबाद जनपद संतकबीरनगर के दायें पैर और आरोपी अब्दुल रहीम निवासी ग्राम कुच्चा पिपरा थाना पटेहरवा जनपद कुशीनगर के दोनों पैर में गोली लगी है। तीनों गो तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 06 गोवंश, एक पिकअप, 02 अवैध कट्टा, 02 कारतूस व 02 खोखा बरामद कर किया गया है।

बरामदगी के आधार पर थाना पुरानी बस्ती पर मुकदमा पंजीकृत किया जा रहा है। तीनों घायल आरोपितों का इलाज सदर अस्पताल बस्ती में चल रहा है। गो तस्करों के वाहन की चपेट में आने वाले मृत व्यक्ति की पुलिस शिनाख्त करने में जुटी है।

गो तस्करों पर कार्रवाई की सराहनाः विश्व हिन्दू महासंघ ने किया एसपी को सम्मानित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । गो तस्करों पर प्रभावी कार्यवाही किये जाने और पुलिस मुठभेड़ में पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र के पाण्डेय बाजार में तीन गो तस्करों के पुलिस की गोली से घायल होने के कार्यवाही की सराहना करते हुये विश्व हिन्दू महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने गुरुवार को नवागत पुलिस अधीक्षक अभिनन्दन को पराकम पत्रिका, स्मृति चिन्ह, भगवा अंग वस्त्र भेंट किया।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से विश्व हिन्दू महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने बताया कि जनपद में गोवंश तस्करी का संगठित कारोबार चल रहा है। महासंघ द्वारा अनेकों बार जिलाधिकारी और पूर्व पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन देकर गोवंश की तस्करी रोकवाने, उनके विरुद्ध कार्रवाई का आग्रह किया गया था किन्तु कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो पायी। उन्होने कहा कि नवागत पुलिस अधीक्षक अभिनन्दन ने कार्य भार संभालते ही जिस प्रकार से गो तस्करों के विरुद्ध कार्रवाई किया है और मुठभेड़ में तीन गो तस्कर गिरफ्तार हुये उससे उम्मीद बढी है कि गोवंश की रक्षा हो सकेगी।

नवागत पुलिस अधीक्षक अभिनन्दन को सम्मानित किये जाने के मौके पर मुख्य रूप से अधिवक्ता प्रदेश मंत्री कुलदीप मिश्र, प्रदेश उपाध्यक्ष दिग्विजय सिंह राना, बालकृष्ण सिंह, राकेश सिंह, सौरभ त्रिपाठी, विपिन सिंह, विजयशंकर शुक्ला, सतीश पाण्डेय आदि शामिल रहे।

अपहृत युवक को सुरक्षित बचाने की मांगः सरदार सेना ने सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । गुरुवार को सरदार सेना जिलाध्यक्ष विनय चौधरी और बस्ती सदर विधानसभाध्यक्ष आकाश पटेल के नेतृत्व में संगठन पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा। मांग किया कि मुण्डेरवा थाना क्षेत्र के उदयपुर निवासी राजकुमार जो लापता हैं पुलिस उन्हें सुरक्षित बरामद करें।

ज्ञापन सौंपने के बाद सरदार सेना के प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी बृजेश पटेल ने बताया कि मुण्डेरवा थाना क्षेत्र के उदयपुर निवासी राजकुमार कुटियाज होटल में खाना खाकर हाइवे के रास्ते अपने घर जा रहे थे कि 14 जनवरी की शाम को सबदेईया कलॉ के पास कुछ अज्ञात लोगों ने उसकी मोटर साईकिल नम्बर यू.पी. 51 बी.आर.7115 को रोकवाकर अपहरण कर लिया। उसकी गाडी और पर्स मिला किन्तु राजकुमार का पता नहीं है। राजकुमार के पिता राम नरायण चौधरी ने मामले की सूचना तहरीर के द्वारा पुरानी बस्ती थाने को दिया किन्तु दो दिन बीत जाने के बाद भी उसका कोई पता नही है। मांग किया कि राजकुमार को अपहर्ताओं के चंगुल से मुक्त कराया जाय।

राजकुमार के अपहरण मामले में डीएम, एसपी को ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से पुनीत चौधरी 'पिन्टू', अभिषेक चौधरी, संदीप निषाद, अखिलेश प्रजापति, चौधरी राम सिंह पटेल, शमशेर चौधरी, सेवाराम, सुनील, ओम प्रकाश, अर्जुन यादव, अजीत चौधरी, रामलक्ष्मण, राकेश, पंकज चौधरी, विनोद, राजू पाण्डेय, राजेन्द्र चौधरी, परशुराम, विपिन, सर्वेश, सूरज चौधरी, विकास शर्मा, बसन्त, विवेक चौधरी, विकास शर्मा, हीरालाल चौधरी, संतराम चौधरी, रामशेष, जितेन्द्र चौधरी, राम सिंह, शहजाद आलम, अजीत चौधरी, हृदयराम, बृजलाल, संदीप कुमार, शमशेर चौधरी, दयाराम, हीरालाल चौधरी के साथ ही सरदार सेना के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता और पीड़ित परिवार के परिजन शामिल रहे।

जन सुनवाई में आये 8 मामलेः चारू चौधरी ने देखा व्यवस्था का सच

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। राज्य महिला आयोग उपाध्यक्ष श्रीमती चारु चौधरी ने जनपद स्तरीय अधिकारियों के साथ सर्किट हाउस सभागार में समीक्षा बैठक करते हुए कहा कि सरकार द्वारा संचालित समस्त योजनाओं को प्रत्येक लाभार्थियों को अवश्य दिया जाय। लाभपरक योजनाओं से कोई भी पात्र व्यक्ति वंचित ना रहें। समीक्षा के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक ओम प्रकाश सिंह, जिला प्रोबेशन अधिकारी राजेश कुमार, जिला कार्यक्रम अधिकारी राजेश कुमार, एसएचओ महिला थाना डा. शालिनी सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी श्रीप्रकाश पाण्डेय, डिप्टी सीएमओ सत्येन्द्र बहादुर सिंह, बाल संरक्षण अधिकारी वीना सिंह, पिछड़ा कल्याण अधिकारी रेखा गुप्ता

सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

समीक्षा बैठक के बाद उन्होने जनसुनवाई किया। जनसुनवाई के दौरान कुल 08 आवेदन पत्र यथा–अफसाना बेगम पत्नी अकबर अली, किरन पत्नी वृजलाल, रामशब्द पुत्री पुष्पावती, रंजना पत्नी राजेश, कुशलावती पत्नी माता बदल, महिमा देवी पत्नी विवेक त्रिपाठी, संगीता देवी पत्नी राजेन्द्र, तथा सुनील रानी श्रीवास्तव पर सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को इनके समस्याओं के समाधान हेतु निर्देशित किया।

जनसुनवाई के बाद उन्होने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं 100 शैय्या महिला चिकित्सालय हरैया का निरीक्षण किया। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में उन्होने देखा कि समुचित साफ–सफाई ना होने व शौचालय गन्दा होने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित को कड़ी फटकार लगायी और कहा कि बेहतर साफ–सफाई सुनिश्चित की जाय। उन्होने उपस्थिति पंजिका का निरीक्षण किया और निर्देश दिया कि बिना पूर्व स्वीकृति के कोई अधिकारी व कर्मचारी अवकाश पर ना जाये।

उन्होने ओपीडी रजिस्टर का भी अवलोकन किया और मरीजो की संख्या कम पायी गयी। वहॉ के स्टाफ द्वारा अवगत कराया गया कि यहॉ कोई भी स्त्री रोग विशेषज्ञ की तैनाती नही है। उन्होने सीएमओ से फोन पर वार्ता करते हुए निर्देश दिया कि तत्काल स्त्री रोग विशेषज्ञ की तैनाती किया जाय।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 17 जनवरी 2025 शुक्रवार

सम्पादकीय

निशाने पर मार्क जकरबर्ग

फेसबुक की ओनर कंपनी मेटा के सीईओ मार्क जकरबर्ग एक बार फिर गलतबयानी के मामले में फंस गए हैं। संसद की आईटी एंड कम्युनिकेशन मामलों की स्टैंडिंग कमिटी उन्हें समन करने वाली है। फेसबुक और मेटा पहले भी तथ्यों के साथ छेड़छाड़ और फेकन्यूज को लेकर ढिलाई जैसे आरोपों में घिरती रही हैं।

मेटा ने अपने सीईओ मार्क जुकरबर्ग द्वारा दिए गए झूठे बयान के लिए माफी मांगी, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि भारत उन देशों में शामिल है जहां मौजूदा सरकारें कोविड–19 के प्रति कमजोर प्रतिक्रिया के कारण चुनाव हार गईं। मेटा इंडिया के पब्लिक पॉलिसी उपाध्यक्ष शिवनाथ ठुकराल ने एक्स पर जुकरबर्ग की ओर से माफी मांगी। मार्क का यह अवलोकन कि 2024 के चुनावों में कई मौजूदा दलों को फिर से नहीं चुना गया, कई देशों के लिए सही है, लेकिन भारत के लिए नहीं। हम इस अनजाने में हुई त्रुटि के लिए क्षमा चाहते हैं।

ज्ञात रहे कि आईटी एवं संचार संबंधी संसदीय समिति के अध्यक्ष निशिकांत दुबे ने कहा कि उनकी समिति मेटा इंडिया को तलब करेगी, जिसे अपने सीईओ के झूठे बयान के लिए माफी मांगनी होगी। कोविड के बाद 20 देशों में सत्ताधारी दल चुनाव हार गए, लेकिन भारत उनमें शामिल नहीं था। निशिकांत दुबे ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'भारतीय संसद व सरकार को 140 करोड़ लोगों का आशीर्वाद व जन विश्वास प्राप्त है. मेटा (मेटा इंडिया) के अधिकारी ने आखिर अपनी गलतियों के लिए क्षमा मांगी है. यह जीत भारत के आम नागरिकों की है. नरेंद्र मोदी को जनता ने तीसरी बार प्रधानमंत्री बना कर दुनिया के सामने देश के सबसे मजबूत नेतृत्व से परिचय करवाया है. अब इस मुद्दे पर हमारे समिति का दायित्व खत्म होता है, अन्य विषयों पर हम इन सोशल प्लेटफॉर्म को भविष्य में बुलाएंगे, क्षमा शोभती उस भुजंग को जिसके पास गरल हो.'। इसके पहले निशिकांत दुबे ने कहा था कि मार्क जुकरबर्ग के इस स्टेटमेंट के लिए मेटा को तलब किया जाएगा. उन्होंने कहा कि किसी भी लोकतांत्रिक देश की गलत जानकारी देश की छवि को धूमिल करती है. इस गलती के लिए भारतीय संसद से तथा यहाँ की जनता से उस संस्था को माफी माँगनी पड़ेगी।

यह वाकई हैरत की बात है कि जकरबर्ग ने भारत को भी उन देशों में शामिल कर लिया जहां पिछले साल चुनाव में सरकारों ने सत्ता गंवाई। तथ्य यह है कि बीजेपी की सीटें भले कम हुई हों, लेकिन सत्तारूढ़ गठबंधन छक। ने बहुमत हासिल कर सरकार में वापसी की। परिणामस्वरूप नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बने और उनकी सरकार चल रही है। इस तथ्य से जकरबर्ग कैसे अनजान हो सकते हैं? क्या वह जानबूझकर भारत सरकार के बारे में गलत सूचनाएं फैला रहे हैं?

जकरबर्ग ने अभी हाल ही में मेटा की कंटेंट मैनेजमेंट पॉलिसी में बड़े बदलाव की घोषणा की है। अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर लाए जा रहे इन बदलावों के तहत मेटा थर्ड पार्टी फैक्ट चेकिंग का सिस्टम समाप्त करने वाली है। उसकी इस घोषणा को भी अमेरिका में हो रहे सत्ता परिवर्तन से जोड़कर देखा जा रहा है। कहा जा रहा है कि यह ट्रंप समर्थकों को खुश करने की कोशिश है जो फ्री स्पीच के नाम पर फैक्ट चेकिंग की इस व्यवस्था का काफी समय से विरोध कर रहे हैं। 2018 में सामने आए कैंब्रिज एनालिटिका विवाद को भी इस संदर्भ में याद किया जा सकता है जिसमें यूजर्स के पर्सनल डेटा की सुरक्षा का सवाल प्रमुखता से उभरा था।

ऐसे और भी मामले हैं जिनसे यह संदेह मजबूत होता है कि फेसबुक जैसे सोशल मीडिया मंचों का इस्तेमाल सिर्फ अधिक से अधिक मुनाफा हासिल करने के मकसद से हो रहा है। समाज को होने वाले नुकसान की तरफ पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा। इस तरह की गैर जिम्मेदारी खतरनाक हो सकती है और इसकी इजाजत नहीं दी जा सकती।

ताजा विवाद को सरकार ने गंभीरता से लिया है, यह अच्छी बात है। लेकिन जरूरी है कि चिंता इसी मामले तक सीमित न रहे। हेट स्पीच और फेक न्यूज के अन्य मामले भी उतने ही गंभीर हैं चाहे वे किसी भी समुदाय और पार्टी के खिलाफ केंद्रित हों। उम्मीद है, सरकार की सख्ती मेटा को ज्यादा जिम्मेदार बनाएगी।

महिला सशक्तिकरण में आगे भारतीय रेलवे

—प्रियंका सौरभ—

कैबिनेट द्वारा स्वीकृत नियुक्तियों के नवीनतम दौर के साथ पहली बार रेलवे बोर्ड में महिलाएँ ड्राइवर की सीट पर हैं। कांच की छत को तोड़ते हुए, रेलवे बोर्ड का नेतृत्व पहले से ही एक महिला द्वारा किया जा रहा है, अब संचालन और व्यवसाय विकास के प्रभारी एक महिला सदस्य हैं और उसी रैंक की एक अन्य महिला सदस्य वित्त सदस्य के रूप में वित्त की देखभाल करती हैं। महिला सशक्तिकरण को प्रेरित करने के एक अन्य तरीके में, भारतीय रेलवे ने एक पूरी ट्रेन और रेलवे स्टेशन महिलाओं को समर्पित करना शुरू किया। मणिनगर रेलवे स्टेशन (गुजरात) और माटुंगा रोड स्टेशन (मुंबई, महाराष्ट्र) का प्रबंधन महिला कर्मचारियों द्वारा किया जाता है। महाराष्ट्र के नागपुर में स्थित अजनी रेलवे स्टेशन की सफाई, ट्रैक की खराबी का पता लगाने और उनकी मरम्मत के लिए महिला ट्रैक मेंटेनर काम करती हैं।

महिलाओं का सशक्तिकरण शायद 20वीं सदी के बाद से सबसे ज़्यादा परिभाषित करने वाला आंदोलन है। हम ऐसी महिलाओं की प्रेरक कहानियाँ सुनते हैं जिन्होंने पुरुष–प्रधान भूमिकाओं में अपनी छाप छोड़ी है, जैसे सार्वजनिक जीवन और सरकार में, उद्योग के कप्तान के रूप में और खेल में। आज जीवन के हर क्षेत्र में महिलाएँ अग्रणी हैं और हर बीतते साल के साथ उनकी संख्या बढ़ती जा रही है और फिर भी, भारतीय रेलवे के कर्मचारियों में केवल 6–7: महिलाएँ हैं। आज संख्या चाहे जो भी हो, पुरुष–प्रधान क्षेत्रों की उथल–पुथल में कदम रखने वाली ष्प्रथम महिलाओंष को पहचाने जाने की आवश्यकता है। वे अग्रणी, साहसी थीं और इस नए क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए उनमें अपार साहस था। 19वीं शताब्दी में घर से बाहर काम करना महिलाओं के लिए बुरा माना जाता थारू पुरुष कर्मचारी प्रतिस्पध ाि से डरते थे, जबकि मध्यम वर्ग की महिलाएँ गृहिणी और शिक्षिका के रूप में पहचान चाहती थीं। न ही पुरुषों और महिलाओं को एक ही परिसर में मिलाना उचित माना जाता था। सामाजिक रीति–रिवाज सख्त थे और लिंग भेद आदर्श था।

लेकिन जैसे–जैसे रेलमार्गों का विस्तार हुआ, श्रमिकों की मांग बढ़ी। रेल कंपनियों द्वारा नियोजित पहली महिलाएँ रेल कर्मचारियों की बेसहारा विधवाएँ थीं। प्रबंधकों ने उन्हें वेतनभोगी रोजगार की पेशकश की–हालाँकि पूरी तरह से दया से नहीं, क्योंकि वे अपने पुरुष समकक्षों की तुलना में काफी कम कमाती थीं। जया चौहान 1984 बैच के भाग के रूप में रेलवे सुरक्षा बल में पहली महिला अधिकारी थीं। शुरुआत में एक प्रशासनिक अधिकारी के रूप में काम करते हुए, मातृभूमि की सेवा करने और अप्राप्त गढ़ों की खोज करने के उनके जुनून ने उन्हें उस आरामदायक नौकरी को छोड़ने और कूदने के लिए मजबूर किया। रेलवे की पुलिसिंग में जया ने न केवल रेलवे में अच्छा प्रदर्शन किया, बल्कि देश में अर्धसैनिक बलों में पहली महिला महानिरीक्षक भी बनीं। 1981 बैच के रेल उम्मीदवारों में से, एम. कलावती को भारतीय रेलवे सिग्नल इंजीनियर्स सेवा की पहली महिला सदस्य के रूप में शामिल किया गया था। वह वर्तमान में दक्षिणी रेलवे जोन में मुख्य सिग्नल इंजीनियर के रूप में काम करती हैं। रेलवे सेवाओं में शामिल होने से पहले, 1988 में, कल्याणी चड्ढा ने जमालपुर में 1983 बैच के विशेष श्रेणी अपरेंटिस में भारतीय रेलवे मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग संस्थान में चार साल बिताए। कल्याणी के नेतृत्व में 13 महिलाएँ हैं जो अब सेवा में हैं और 10 और जो जमालपुर में प्रशिक्षुता कर रही हैं।

मंजू गुप्ता, जो वर्तमान में बीकानेर डिवीजन के डिवीजनल रेल मैनेजर के रूप में कार्यरत हैं 1998 बैच की मोना श्रीवास्तव भारतीय रेलवे इंजीनियर्स सेवा में शामिल होने वाली पहली महिला सदस्य थीं, जो तब तक केवल पुरुषों के लिए थी। इस सदी की शुरुआत में ही, यानी 2002 में, 1967 बैच की सदस्य विजयलक्ष्मी विश्वनाथन भारतीय रेलवे बोर्ड के वित्त आयुक्त के पद पर पहुँचीं। विजयलक्ष्मी 1990 के दशक के अंत में भारतीय रेलवे में पहली महिला मंडल रेल प्रबंधक भी थीं। लगभग दो दशक बाद, जब पद्माक्षी रहेजा को भारतीय रेलवे यातायात सेवा के 1974 बैच के सदस्य के रूप में चुना गया, तब पुरुषों के अगले गढ़ को तोड़ने में महिला का हाथ था। अगले पाँच वर्षों तक पद्माक्षी प्त्ै में एकमात्र महिला थीं। भारत की अटूट और अमर भावना और इसकी स्वतंत्रता के 75 वर्षों का जश्न। मंजू गुप्ता, जो वर्तमान में बीकानेर डिवीजन की डिवीजनल रेल मैनेजर के रूप में कार्यरत हैं, भारतीय रेलवे इलेक्ट्रिकल इंजीनियर्स की पहली महिला सदस्य थीं। उनके शामिल होने के बाद, 14 और महिलाओं ने मंजू के उदाहरण का अनुसरण किया और भारतीय रेलवे इलेक्ट्रिकल इंजीनियर्स में प्रवेश किया।1998 बैच की मोना श्रीवास्तव भारतीय रेलवे इंजीनियर्स सेवा में शामिल होने वाली पहली महिला सदस्य थीं, जो तब तक सभी पुरुषों के लिए थी। यह इस सदी की शुरुआत में ही था, यानी 2002 में, 1967 बैच की सदस्य विजयलक्ष्मी विश्वनाथन ने भारतीय रेलवे बोर्ड के वित्त आयुक्त के पद पर जगह बनाई। विजयलक्ष्मी 1990 के दशक के अंत में भारतीय रेलवे में पहली महिला डिवीजनल रेल मैनेजर भी थीं। पद्माक्षी रहेजा को भारतीय रेलवे यातायात सेवा के 1974 बैच के सदस्य के रूप में चुने जाने पर अगले पुरुष गढ़ को तोड़ने में लगभग दो दशक लग गए। अगले पांच वर्षों तक पद्माक्षी आईआरटीएस में एकमात्र महिला थीं। भारतीय रेलवे के लिए एक रिकॉर्ड यह है कि राष्ट्रीय ट्रांसपोर्टर के शीर्ष निर्णय लेने वाले निकाय रेलवे बोर्ड में अब महिलाएँ बहुमत में हैं। कैबिनेट द्वारा स्वीकृत नियुक्तियों के नवीनतम दौर के साथ पहली बार रेलवे बोर्ड में महिलाएँ ड्राइवर की सीट पर हैं। कांच की छत को तोड़ते हुए, रेलवे बोर्ड का नेतृत्व पहले से ही एक महिला द्वारा किया जा रहा है, अब संचालन और व्यवसाय विकास के प्रभारी एक महिला सदस्य हैं और उसी रैंक की एक अन्य महिला सदस्य वित्त सदस्य के रूप में वित्त की देखभाल करती हैं। महिला सशक्तिकरण को प्रेरित करने के एक अन्य तरीके में, भारतीय रेलवे ने एक पूरी ट्रेन और रेलवे स्टेशन महिलाओं को समर्पित करना शुरू किया। मणिनगर रेलवे स्टेशन (गुजरात) और माटुंगा रोड स्टेशन (मुंबई, महाराष्ट्र) का प्रबंधन महिला कर्मचारियों द्वारा किया जाता है। महाराष्ट्र के नागपुर में स्थित अजनी रेलवे स्टेशन की सफाई, ट्रैक की खराबी का पता लगाने और उनकी मरम्मत के लिए महिला ट्रैक मेंटेनर काम करती हैं। इसके अलावा, भारतीय रेलवे में महिला नेताओं की संख्या बढ़ाने के लिए सरकार ने मुंबई–अहमदाबाद शताब्दी एक्सप्रेस के लिए सभी महिला टीटीई नियुक्त की हैं। डेक्कन क्वीन एक्सप्रेस एक और ट्रेन है जिसे पूरी तरह महिलाओं की टीम चलाती है। देश में सबसे बड़ा नियोक्ता होने के नाते भारतीय रेलवे इस क्षेत्र में महिला कर्मचारियों और नेतृत्व को बढ़ावा देने का प्रयास कर रहा है, लेकिन फिर भी, आंकड़े बताते हैं कि जनसंख्या में उनके अनुपात के अनुसार यह संख्या महत्त्वपूर्ण नहीं है

मुफ्तखोरी की घातक राजनीति

—क्षमा शर्मा—

मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के चुनावों के बाद सबको लगता है कि अगर महिलाओं को लुभाना है, तो उन्हें अधिक पैसे देने की बात कहनी पड़ेगी। ऐसे में न तो कोई यह कहता है कि महिलाओं के करिअर के उत्थान के लिए क्या–क्या करेगा। उनकी नौकरियों के लिए क्या प्राथमिकताएं होंगी। उन्हें कैसे बढ़ाया जाएगा।

इन दिनों दिल्ली में चुनाव का बोलबाला है। लगता है कि चुनाव जैसी सुपरहिट फिल्म सलीम–जावेद की जोड़ी भी नहीं लिख सकती थी। जिसमें ड्रामा हो, इमोशन हो, नारे हों, नाच–गाना हो, गाली–गलौज हो, एक–दूसरे को सबसे बड़ा खलनायक साबित करने की प्रतियोगिता हो।

हर पार्टी अपने को जनता की सबसे बड़ी हितैषी दिखा रही है। इसमें भी तीन सेगमेंट प्रमुख हैं–दलित, पिछड़े और स्त्रियां। बढ़–चढ़कर घोषणाएं की जा रही हैंदृ ये ले लो, वह ले लो। दलित बच्चों के लिए विदेश में पढ़ने के लिए खास स्कॉलरशिप की घोषणा केजरीवाल ने की है तो स्त्रियों के लिए चुनाव जीतने के बाद इक्कीस सौ रुपये प्रतिमाह देने की घोषणा की जा रही है। स्त्रियों पर सबका फोकस है। कांग्रेस कह रही है कि वह यदि चुनाव जीती, तो महिलाओं को प्रतिमाह पच्चीस सौ रुपये देगी। फ्री–फ्री देने की होड़ लगी है। मध यप्रदेश और महाराष्ट्र के चुनावों के बाद सबको लगता है कि अगर महिलाओं को लुभाना है, तो उन्हें अधिक पैसे देने की बात कहनी पड़ेगी। ऐसे में न तो कोई यह कहता है कि महिलाओं के करिअर के उत्थान के लिए क्या–क्या करेगा। उनकी नौकरियों के लिए क्या प्राथमिकताएं होंगी। उन्हें कैसे बढ़ाया जाएगा। देशभर की अड़तालीस करोड़ महिला वोटर्स के जीवन में क्या–क्या आफतें हैं, कौन–कौन से आंधी–तूफान झेलकर वे जिंदा रहती हैं, इन पर शायद किसी का ध्यान ही नहीं है।

अपने देश की आबादी एक अरब, चालीस करोड़ है। हो सकता है कि अब कुछ और बढ़ गई हो। इनमें 2024 के आंकड़ों के अनुसार मात्र आठ करोड़, बासठ लाख टैक्स देने वाले हैं। इनमें भी सबसे बड़ी संख्या नौकरीपेशा लोगों की है। आबादी के हिसाब से यह संख्या कितनी मामूली है। कहा जाता है कि देश के विकास के लिए लोगों की आय पर टैक्स लगाया जाता है। जिस तरह से आय बढ़ती जाती है, टैक्स बढ़ता जाता है। लेकिन बड़े उद्योगपतियों पर शायद ये शर्तें लागू नहीं होतीं, क्योंकि माना जाता है कि वे रोजगार का सृजन करते हैं, इसलिए उन्हें अतिरिक्त सुविधाएं दी जाती हैं। यहीं से यह बात सोचनी पड़ती है कि जब आयकर देने वाले इतने कम हैं, तो किस हिसाब से इतने कम संसाधनों में देश का चौतरफा विकास हो सकता है। फिर जो भी विकास होता है उसमें कोई भी आयकर दाता के सहयोग को रेखांकित नहीं करता, बल्कि जिस दल के कार्यकाल में कोई पुल बनता है या कुछ और होता है तो उसका सेहरा वह अपने ही सिर बांधता है।

ऐसे में चुनाव के वक्त मुफ्त यह और मुफ्त वह देने के लिए पैसे कहां से आएंगे, यह कोई नहीं बताता। सरकारें कटोरा लेकर विश्व बैंक और आईएमएफ के सामने खड़ी रहती हैं। और पैसे को तमाम ऐसे कार्यों में लगाने के मुकाबले जहां से लोगों को रोजगार मिल सके, वे आत्मनिर्भर हो सकें, वोट लेने के लिए कुछ न कुछ देने की घोषणाएं करती रहती हैं।

दलों को यह मालूम है कि अपने देश में लोगों का लालच जितना बढ़ाओ, वह बढ़ता ही जाता है। यदि आपने आज एक रुपया बिना कुछ किए दिया है, तो कल जब तक डेढ़ रुपया देने की बात नहीं की जाएगी तो लोग कहेंगे– नया क्या दिया। एक रुपया तो पहले से ही मिल रहा है। फिर एक बार जो सुविधा आप किसी को भी मुफ्त में दे दें, वह उसे अपना अधिकार मान लेता है। कभी उसे वापस नहीं लिया जा सकता। यदि कोई दल ऐसा करने की कोशिश करे, तो चुनाव में उसकी हार पक्की हो जाती है। अब गांवों में बहुत से लोग काम नहीं करना चाहते। उन्हें लगता है कि सरकार मुफ्त में अनाज दे रही है। तरह–तरह की पेंशन मिल रही हैं। लड़कियों की शादी के लिए पैसा मिल रहा है, तो काम क्यों करें। किसी भी देश के विकास के लिए सबसे खतरनाक होता है कि लोगों को लालची बना दिया जाए। उन्हें अपने श्रम के मुकाबले बहुत कुछ मुफ्त में देने का भरोसा दिला दिया जाए। यही अपने देश में हो रहा है।

हाल ही में उच्चतम न्यायालय ने मुफ्त की रेवडिघ्यों पर तंज कसते हुए कहा था कि राज्य सरकारों के पास फ्री की रेवडिघ्यां देने को तो बहुत कुछ है, लेकिन जजों की तनख्वाह बढ़ाने के लिए पैसे नहीं हैं। यानी उच्चतम न्यायालय में भी बहुत से न्यायाधीश इसके पक्ष में नहीं हैं। तब क्यों नहीं इस मुफ्तवाद को रोका जाता है।

इस मुफ्त की संस्कृति ने सोवियत संघ जैसी महाशक्ति को उखाड़ फेंका। पूर्वी यूरोप के समाजवादी देशों में समाजवाद खत्म हो गया। वैनेजुएला जैसी तरक्की पसंद आर्थिकी नष्ट हो गई। एक समय में वैनेजुएला दुनिया के अमीर और ताकतवर देशों में गिना जाता था। लेकिन आज वहां बेहद महंगाई है। नौकरियां नहीं हैं। गरीबी बढ़ती जा रही है। मगर हमारे देश के नेताओं ने वोट के लालच में इन देशों की बदहाली से कोई सबक नहीं सीखा। सीखें भी क्यों। जब तक देश डूबेगा, ये तो निकल चुके होंगे।

हमारे शरीर के अंगों के बारे में कहा जाता है कि जिनका इस्तेमाल करना हम छोड़ देते हैं, वे धीरे–धीरे बीमार हो जाते हैं। प्रकृति उनका विकास बंद कर देती है। यही हाल हमारे मस्तिष्क और हाथ–पांवों का है। अगर हम दिमाग का इस्तेमाल कम कर दें, तो धीरे–धीरे दिमाग कुंद हो जाएगा। अगर हम हाथ–पांव से काम करना छोड़ दें, तो एक दिन वे हमारा साथ छोड़ देंगे। परिश्रम का भी यही हाल है।

कॉपी पेस्ट में उलझी युवा पीढी

– डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा–

सबसे बड़ी समस्या यही है कि आज का युवा पढ़ने पढ़ाने से दूर होता जा रहा है। गूगल गुरु के सहारें काम चलाया जा रहा है। सबसे अधिक चिंतनीय यह है कि ऐसे में युवाओं के समग्र बौद्धिक विकास की बात करना बेमानी हो जाता है।आज की जेनरेशन शार्टकट और कॉपी पेस्ट से आगे नहीं निकल पा रही है। इंटरनेट, मोबाइल, कम्प्यूटर और सोशियल मीडिया ने नई जेनरेशन को सीमित दायरे में कैद करके रख दिया है। नई पीढ़ी में से अधिकांश युवा कुछ नया करने, नया सोचने, नई दिशा खोजने के स्थान पर गूगल गुरु या इसी तरह के खोजी एप के सहारे आगे बढ़ने लगी है। तकनीक का विकास इस तरह से सोच और समझ को सीमित दायरें में लाने का काम करेगी यह तो सोचा ही नहीं था। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तो इससे भी एक कदम आगे निकल गई है। इसमें कोई दो राय नहीं कि तकनीक सहायक की भूमिका में हो तो वह आगे बढ़ने में सहायक हो सकती है पर तकनीक का जिस तरह से उपयोग होने लगा है वह ज्ञान और समझ को थुथला करने में ही सहायक सिद्ध हो रही है। यही कारण है कि आज की पीढ़ी से कोई भी सवाल करों वह उसका उत्तर गूगल गुरु या इसी तरह के प्लेटफार्म का सहारा लेकर तत्काल दे देंगे। हांलाकि सूचनाओं का संजाल जिस तरह से इंटरनेट प्लेटफार्म पर उपलब्ध है निश्चित रुप से वह आगे बढ़ाने में सहायक है पर आज की पीढ़ी उसी तक सीमित रहने में विश्वास करने लगी है। जिस तरह से एक समय परीक्षाएं पास करने के लिए वन डे सीरिज का दौर चला था ठीक उसी तरह से किसी भी समस्या का हल, किसी भी जानकारी को प्राप्त करने के लिए इंटरनेट को खंगालना आम होता जा रहा है। चंद मिनटों में एक नहीं अनेक लिंक मिल जाते हैं और कई बार तो समस्या यहां तक हो जाती है कि इसमें कौनसा लिंक अधिक सटीक है। दर असल इस तरह की जानकारी से तर्क क्षमता के विकास या विश्लेषक की भूमिका नगन्य हो जाती है। समझ में यह भी आ जाता है कि नेट पर इतनी जानकारी है तो फिर किताबों के पन्ने पलटने से क्या लाभ? इसका एक दुष्परिणाम किताबों से दूरी को लेकर साफ साफ देखा जा सकता है।

इसमें कोई दो राय नहीं कि इंटरनेट, कम्प्यूटर और मोबाइल ने

आज की पीढ़ी को शार्टकट की जिंदगी जीना सिखा दिया है। आज का युवा कट पेस्ट के सहारे अपना काम चला रहा है। कोई जानकारी लेनी है तो सीधा गूगल गुरु की शरण में जाता है और एक ही प्रश्न से संबंधित सामग्री के अनेक स्रोत देख कर वह अपनी सुविधा के अनुसार जो उसे सही लगता है कट किया और उसके बाद पेस्ट करके अपना काम पूरा कर लेता है। यह सब चिंतनीय इसलिए है कि सालाना माड्यूलर सर्वेक्षण 2024 में यह सामने आया है कि डेटा, सूचना, दस्तावेजों आदि के लिए इंटरनेट की शरण में चले जाते हैं और वहां पर जो मिलता है उसी को पेस्ट कर इतिश्री कर लिया जाता है। सर्वे की रिपोर्ट के अनुसार देश में उत्तराखण्ड के युवा सबसे आगे हैं और उत्तराखण्ड के करीब 66 फीसदी युवा कॉपी पेस्ट के सहारे काम चला रहे हैं। उत्तराखण्ड के पीछे पीछे ही बिहार के युवा हैं और बिहार के 60 प्रतिशत युवा कट पेस्ट के सहारे ही काम चला रहे हैं। उत्तरप्रदेश के युवाओं के हालात भी कमोबेस यही है और उत्तरप्रदेश के 56 फीसदी युवा कट पेस्ट का सहारा ले रहे हैं। कमोबेस यह हालात भारत ही नहीं आज की तारीख में दुनिया के अधिकांश देशों में आम होती जा रही है। तकनीक के उपयोग में कोई बुराई नहीं हैं अपितु तकनीक के उपयोग में आगे रहना समय की मांग होती है। पर बौद्धिक विकास या तार्किकता की पहली शर्त ही अध्ययन मनन होती है।

सबसे बड़ी समस्या यही है कि आज का युवा पढ़ने पढ़ाने से दूर होता जा रहा है। गूगल गुरु के सहारें काम चलाया जा रहा है। सबसे अधिक चिंतनीय यह है कि ऐसे में युवाओं के समग्र बौद्धिक विकास की बात करना बेमानी हो जाता है। जब एक क्लिक में सामग्री मिल जाती है तो फिर पढ़ने–पढ़ाने की जहमत कौन उठाएं। कोरोना के कारण ऑनलाइन कक्षाओं का जो चलन चला था उसके नकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं। रही सही कसर सोशियल मीडिया ने पूरी कर दी है। सोशियल मीडिया पर परोसी जाने वाली सामग्री में कितना सही है और क्या सही है यह तय करना जोखिम भरा काम है। परिवारों के हालात यह होते जा रहे हैं कि किताब तो दूर होती जा रही है और क्या बच्चे और क्या बड़े सब मोबाइल पर लगे रहते हैं और आपसी संवाद करने की भी फुर्सत नहीं होती। एकाकीपन बढ़ता जा रहा है। सामाजिकता तो लगभग समाप्त ही होती जा रही है। सोशियल मीडिया में शार्टकट मैसेजों का चलन इस कदर बढ़ गया है कि कई बार तो शार्टकट मैसेज को डिकोड करने में ही पसीने आ जाते हैं। अब 2025 की ही बात ले तो सोशियल मीडिया पर डब्ल्यूटीएफ का चलन जोरों से चल रहा है। डब्ल्यूटीएफ का एक तो सीध ाा साधा अर्थ है क्या मजाक है। पर दूसरी और नए साल के बुधवार से आरंभ होने को लेकर डब्ल्यूटीएफ का धडल्ले से प्रयोग किया जा रहा है। डब्ल्यूटीएफ के माध्यम से लोगों को डराया भी जा रहा है कि जिस तरह से 2020 में बुधवार से नए साल की शुरुआत हुई थी और उस साल कोरोना के भयावह दौर से गुजरना पड़ा। इस तरह से डब्ल्यूटीएफ के माध्यम से कोरोना काल जैसी त्रासदी की संभावना से लोगों को डराया जा रहा है। अब जिस तरह के चीन से समाचार आ रहे हैं उनमें कितनी सचाई है यह तो दूर की बात है पर उससे दहसत का माहौल बनता जा रहा है। एक समय था जब बच्चों की कम्यूनिकेशन स्कील विकसित की जाती थी। अब सोशियल मीडिया के इस जमाने में कम्युनिकेशन स्किल तो दूर की बात शार्ट कट के आधार पर ही काम चलाया जा रहा है। खास यह कि सामने वाले से यह अपेक्षा की जाती है कि उसे सब कुछ मालूम है।

चटख होगा हल्दी उत्पादन से जुड़े किसानों का जीवन रंग

संवाददाता—महराजगंज। शुभता का प्रतीक और औषधीय गुणों से परिपूर्ण हल्दी की खेती जनपद के किसानों को उन्नति की तरफ अग्रसर करने में मददगार साबित हो रही है। 430 हेक्टेयर में पिछले वर्ष तक होने वाली हल्दी का दायरा 2025 में दोगुना तक बढ़ाने की तैयारी है। ऐसा इसलिए क्योंकि हल्दी बोर्ड के गठन के बाद इसकी खेती से जुड़े किसानों का जीवन रंग और चटख होने वाला है। जिले के किसान हल्दी की खेती काफी समय से करते आ रहे हैं। निचलौल, सिसवां, पनियरा, नौतनवां और सदर ब्लॉक के लगभग 400 हेक्टेयर से अधिक रकबे में इसकी खेती होती है। कृषि विज्ञानियों की माने तो हल्दी उत्पादन की जिले में व्यापक संभावना है क्योंकि मिट्टी और जलवायु दोनों ही अनुकूल हैं। एक हेक्टेयर में हल्दी बुवाई पर खर्च की बात करें तो उत्पादन से जुड़े बैदौली के किसान रामतेज चौधरी बताते हैं कि लगभग 15 क्विंटल बीज लगता है। सिचाई, खाद और कटाई का पूरा खर्च जोड़ने पर 80–90 हजार रुपये पड़ता है। वहीं पैदावार 230–250 क्विंटल तक होती है जिसकी बिक्री आराम से 2.50 लाख रुपये तक हो जाती है। हल्दी उत्पादन की व्यापक संभावना के बाद भी जनपद में इसका रकबा अपेक्षाकृत अधिक न बढ़ने के पीछे अनुदान की व्यवस्था न होना ही रहा। हल्दी की खेती के लिए एक हेक्टेयर के लिए सिर्फ बीज का खर्च ही 50 हजार रुपये तक पड़ जाता है।

शास्त्रीय नृत्य भारतीय संस्कृति और परंपरा के महत्वपूर्ण अंग -अमित

संवाददाता—महराजगंज। सिसवा नगर स्थित मलवरी कान्वेंट स्कूल में उत्तर प्रदेश संस्कृति विभाग के संगीत नाटक अकादमी और धान्या संगीत विद्यालय गोरखपुर द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित दस दिवसीय कथक नृत्य कार्यशाला का समापन हुआ। इस कार्यशाला में सम्मिलित प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया गया।

कार्यशाला के अंतिम दिन कथक प्रशिक्षक ऋतु सर्राफ ने 70 प्रतिभागी छात्राओं को उन्नत स्तर की जटिल रचनाओं का प्रशिक्षण प्रदान किया। इन्होंने उन्नत चरण में परन, तिहाई, चक्कर की जटिल श्रृंखला, लयबद्ध बोल और भावपूर्ण प्रस्तुति सहित कथक की मुद्राएं, तत्कार व गणेशवंदन आदि का गहन अभ्यास कराया। ऋतु सर्राफ ने न केवल नृत्य की तकनीकी पहलुओं पर ध्यान केंद्रित किया बल्कि प्रतिभागी छात्राओं को कथक की गहराई और

उसकी आत्मा को समझने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर संगीत नाटक अकादमी के सदस्य अमित अंजन जायसवाल ने बताया कि शास्त्रीय नृत्य न केवल कला का एक रूप है बल्कि यह भारतीय संस्कृति और परंपरा के एक महत्वपूर्ण अंग है। अमित अंजन ने इस कथक कार्यशाला आयोजन के लिए विद्यालय की प्रबंधक शुभ्रा सिंह जायसवाल को धन्यवाद ज्ञापित किया और सहयोग के लिए विद्यालय परिवार को आभार व्यक्त किया।

प्रशिक्षकों में मशहूर तबला वादक निखिल रंजन भी शामिल रहे। जिन्होंने छात्राओं को लय और ताल में प्रशिक्षण दिया। समापन के अवसर पर शुभ्रा सिंह जायसवाल ने प्रतिभागी छात्राओं को प्रमाण पत्र पुरस्कृत कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

अनियंत्रित होकर रेलवे पटरी के गाटर से टकराई तेज रफ्तार कार, बुजुर्ग की मौत, 7 घायल

संवाददाता—बहराइच। नवाबगंज थाना क्षेत्र में रिश्तेदार के घर आयोजित कार्यक्रम से लौट रहे परिवार की कार अनियंत्रित होकर रेलवे पटरी निर्माण को रखे गाटर से टकरा गई। हादसे में कार सवार बुजुर्ग की मौत हो गई। वहीं 7 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें इलाज के लिए मेडिकल कालेज में भर्ती करवाया गया है। फखरपुर थाना क्षेत्र के एकघरवा निवासी मुनेश्वर प्रसाद मिश्रा (80) बुधवार को परिवार के साथ शीतलगांव गए थे। जहां से रात को कार से वापस आ रहे थे। इस दौरान शंकरपुर – मटेरा मार्ग पर मटेरा रेलवे स्टेशन के पास कार अनियंत्रित होकर पटरी निर्माण को रखे गाटर से टकरा गई। हादसा इतना जोरदार था कि कार पलट कर गाटर पर चढ़ गई। हादसे में कार सवार मुनेश्वर, चालक नफीस, रामेंद्र पाठक, मधु, मीना, अनीता, काजल और दो बच्चे लड्डू व विराट गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची मटेरा पुलिस ने सभी को इलाज के लिए मेडिकल कालेज बहराइच पहुंचाया। जहां मुनेश्वर प्रसाद मिश्रा की मौत हो गई। वहीं, गंभीर रूप से घायल अनीता को चिकित्सकों ने इलाज के बाद लखनऊ रेफर कर दिया।

सरसों का साग लेने खेत गई बालिका को तेंदुए ने मार डाला

संवाददाता—बहराइच। कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग के ककरहा वन रेंज में मां व सहेलियों के साथ सरसों का साग लेने खेत गई बालिका पर तेंदुए ने हमला कर दिया। तेंदुए ने बालिका को गर्दन से दबोच कर खेत में ले गया और मार डाला। मां व सहेलियों के हांका लगाने पर तेंदुआ बालिका के शव को छोड़कर जंगल में भाग गया। हमले की सूचना से ग्रामीणों में दहशत फैल गई। सूचना पर पहुंची वन टीम मौके पर जांच पड़ताल में जुटी है। कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग के ककरहा वन रेंज के ग्राम पंचायत उर्रा के मजरा तमोलिनपुरवा निवासी शालिनी(9) पिता बैजनाथ, मां चंद्रावती व चार सहेलियों के साथ सरसों का साग लेने खेत गई थी। बालिका गन्ने के खेत के पास स्थित सरसों के खेत से साग तोड़ रही थी कि अचानक गन्ने के खेत से निकले तेंदुए ने उन पर हमला कर दिया। बालिका की चीख सुन मां–बाप व सहेलियां हांका लगाते हुए तेंदुए की ओर दौड़ी। इस पर तेंदुए बालिका को छोड़ गन्ने के खेत में भाग गया लेकिन तब तक शालिनी की मौत हो गई।

बेटी की मौत पर परिजन बिलख पड़े। तेंदुए के हमले में बालिका के मौत की सूचना पर सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे और घटना की सूचना वन विभाग को दी। हमले के बाद से ग्रामीणों में भारी आक्रोश है और ग्रामीणों ने पिंजरा लगवाने की मांग की है।

तेंदुए के हमले की सूचना पर वन क्षेत्राधिकारी धर्मेंद्र कनौजिया, वन दरोगा अशोक श्रीवास्तव टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जांच पड़ताल की। वहीं एसडीएम संजय कुमार भी मौके पर पहुंचे और परिजनों से जानकारी ली। वन टीम ने मृतका के परिजनों को 10,000 की फौरी सहायता राशि दी है।

बी. शिवशंकर, डीएफओ ने कहा कि ककरहा वन रेंज के ग्राम पंचायत उर्रा के तमोलिनपुरवा गांव निवासी बालिका को तेंदुआ ने हमला कर मार दिया है। मौके पर वन विभाग की टीम मौजूद है, आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

फतेहपुर हत्याकांड में पूरी हुई अनमोल की गवाही

संवाददाता—देवरिया। फतेहपुर हत्याकांड के तीसरे गवाह बाल साक्षी प्रजेश उर्फ अनमोल की गवाही अपर सत्र न्यायाधीश संजय सिंह की अदालत में पूरी हो गई। आधा दर्जन अधिवक्ताओं की टीम पांच दिन में 27 पेज की जिरह बाल साक्षी प्रजेश उर्फ अनमोल से की। 2 अक्टूबर 2023 को रुद्रपुर थाना क्षेत्र के फतेहपुर के लेहड़ा टोला में एक ही परिवार के पांच व जिला पंचायत सदस्य प्रेमचंद यादव की हत्या कर दी गयी। इसकी सूचना से फतेहपुर का लेहड़ा टोला पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों की छावनी में तब्दील हो गया था। इस संगीन मुकदमे की सुनवाई अपर जिला जज के न्यायालय में कड़ी सुरक्षा में हो रही है। घटना में घायल बाल साक्षी प्रजेश उर्फ अनमोल की गवाही 5 दिन में आधा दर्जन अधिवक्ताओं की टीम में 27 पेज में पूरी की है। बचाव पक्ष के अधिवक्ताओं ने जब अनमोल से यह पूछा कि प्रेमचंद यादव की हत्या तुम्हारे भैया देवेश व जीजा ने कर दी? तो उसने कहा नहीं साहब मेरे भैया व जीजा ने प्रेमचंद यादव की हत्या नहीं किया। जब उसे पूछा गया कि घटना में प्रयुक्त चाकू व छोटी बंदूक देखी थी उसकी लंबाई कितनी थी ? तो उसने कहा कि मैं चाकू और छोटी बंदूक की लंबाई नहीं नाप पाया, उसके पहले ही आरोपितों द्वारा पहुंचाई गई चोटों के कारण बेहोश हो गया। मेरे ऊपर चार–पांच फीट की दूरी से गोली चलाई गई थी। किधर से गोली चलाई गई ? तो उसने इशारे से बताया कि बाएं से गोली चलाई गई ।जब मेरे ऊपर गोली चलाई गई उसके पहले से ही मैं बक्से के पीछे छिप कर बैठा था । बाल साक्षी ने 25 आरोपितों का नाम बताते हुए कहा कि इन्हीं लोगों ने मेरे पिता माता भाई बहन की गोली मार कर व पीट कर हत्या कर दी।

दो दिन नौतनवां नहीं आएगी इंटरसिटी एक्सप्रेस

संवाददाता—महराजगंज। रेलवे प्रशासन की ओर से लखनऊ मंडल के गोरखपुर–गोंडा लूप खंड पर नकहा जंगल–मानीराम स्टेशनों के मध्य समपार संख्या–5 ए पर रोड ओवरब्रिज का निर्माण कार्य चल रहा है। इसके चलते गोरखपुर–नौतनवा रेलखंड पर चलने वाली गाड़ियों का शार्ट टर्मिनेशन तथा शार्ट ओरिजिनेशन किया गया है। रेलवे से मिली जानकारी के अनुसार, 17 एवं 18 जनवरी को 15105 छपरा–नौतनवा एक्सप्रेस नौतनवा के स्थान पर गोरखपुर कैंट स्टेशन पर 09.43 बजे पहुंचेगी। यह ट्रेन गोरखपुर कैंट से नौतनवा के मध्य निरस्त रहेगी। इसी प्रकार 15106 नौतनवा–छपरा एक्सप्रेस नौतनवा के स्थान पर गोरखपुर कैंट स्टेशन से 17.35 बजे चलाई जाएगी। यह नौतनवा से गोरखपुर कैंट के मध्य निरस्त रहेगी। यानि यह ट्रेन नौतनवा न आकर गोरखपुर कैंट से ही चलेगी। 17 एवं 18 जनवरी को 55070 नौतनवा–गोरखपुर अनारक्षित विशेष गाड़ी गोरखपुर के स्थान पर आनंदनगर स्टेशन तक ही जाएगी। यह गाड़ी आनंदनगर से गोरखपुर के मध्य निरस्त रहेगी। इसी तरह से 55075 गोरखपुर–बढ़नी अनारक्षित विशेष गाड़ी गोरखपुर के स्थान पर आनंदनगर स्टेशन से चलाई जाएगी। यह गाड़ी गोरखपुर जंक्शन से आनंदनगर के मध्य निरस्त रहेगी।

डीएम ने किया 20 अधिकारियों से स्पष्टीकरण तलब, तीन दिन के भीतर मांगा जवाब

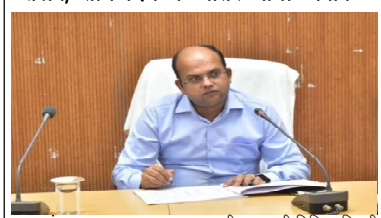

संवाददाता—बलरामपुर। डीएम ने आईजीआरएस पर शिकायतों का गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण में लापरवाही पाए जाने पर डीएम ने 20 अधिकारियों से स्पष्टीकरण तलब किया है। 3 दिन के भीतर संतोष जनक जवाब न देने पर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई के लिए उच्च स्तरीय रिपोर्ट भेजे जाने की चेतावनी दी है।

डीएम ने निस्तारण में लापरवाही बरतने वाले 20 अधिकारियों बाल विकास परियोजना अधिकारी हरैया सतघरवा, तहसीलदार बलरामपुर, जिला पूर्ति अधिकारी , बाल विकास परियोजना अधिकारी रेहरा बाजार, अधिशासी अभियंता सिंचाई बलरामपुर खंड 3, औषधि निरीक्षक बलरामपुर, पूर्ति निरीक्षक तुलसीपुर, तहसीलदार तुलसीपुर , प्रभारी चिकित्साधिकारी तुलसीपुर, पचपेड़वा , श्रीदत्तगंज, खंड शिक्षा अधिकारी बलरामपुर , खंड शिक्षा अधिकारी हरैया सतघरवा, बाल विकास परियोजना अधिकारी पचपेड़वा, बाल विकास परियोजना अधिकारी श्रीदत्तगंज ,बाल विकास परियोजना अधिकारी उतरौला, सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक बलरामपुर, श्रम प्रवर्तन अधिकारी, क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, अधिशासी अभियंता जल निगम नगरीय का स्पष्टीकरण तलब किया है। संबंधित अधिकारियों द्वारा तीन दिवस के भीतर स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाएगा। स्पष्टीकरण संतोषजनक न पाए जाने पर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई के लिए उच्च स्तर पर रिपोर्ट भेजी जाएगी।

88 फीसदी से अधिक हो गई धान खरीद, डेढ़ महीना समय बाकी

संवाददाता—कुशीनगर। धान की पैदावार अच्छी होने के चलते पिछले साल के मुकाबले क्रय केंद्रों पर इसकी खरीद भी ठीक स्थिति में है। अभी मौजूदा विपणन वर्ष खत्म होने पर डेढ़ महीना शेष है, लेकिन शासन की तरफ से मिले लक्ष्य का 88 फीसदी धान किसानों से खरीदा जा चुका है। विभाग का कहना है कि निर्धारित समय सीमा के अंतर्गत धान खरीद का लक्ष्य पूरा कर लिया जाएगा। धान खरीद के लिए इस साल खाद्य विभाग के 24, भारतीय खाद्य निगम के दो, पीसीएफ के 31, पीसीयू के 14 और मंडी समिति के तीन क्रय केंद्रों सहित कुल 74 क्रय केंद्र बनाए गए हैं। क्रमशः इन्हें 42450, 1450, 20000, 9550 और 550 सहित कुल 74 हजार मीट्रिक टन धान खरीद का लक्ष्य दिया गया था। बीते एक नवंबर से जिले में धान खरीद शुरू हुई है। अब तक खाद्य विभाग ने 40005.73, भारतीय खाद्य निगम 267.68, पीसीएफ ने 15510.56, पीसीयू ने 8484.84 और मंडी समिति ने 1085.80 मीट्रिक टन धान खरीदा है। इस जिले में अब तक कुल एजेंसियों ने मिलकर 65354.96 मीट्रिक टन धान खरीदा जा चुका है। इन एजेंसियों में खाद्य विभाग ने 94.24, भारतीय खाद्य निगम ने 18. 46, पीसीएफ ने 77.56, पीसीयू ने 88.56 और मंडी समिति ने अपने लक्ष्य का 197.42 प्रतिशत सहित कुल 88.32 प्रतिशत धान खरीदा है। जहां तक धान के एवज में किसानों को भुगतान की बात है तो कुल 15031.64 लाख रुपये दिया जाना है, जिसमें से 14171.59 लाख रुपये भुगतान किया जा चुका है तथा 860. 05 लाख रुपये किसानों को दिया जाना बाकी है। कुल 11300 किसानों ने अपना धान इन एजेंसियों को बेचा है। जबकि पिछले साल धान खरीद का लक्ष्य 110000 मीट्रिक टन था। इस लक्ष्य के सापेक्ष 9873 किसानों से 49.9 प्रतिशत धान खरीद हुई थी। नरेंद्र कुमार तिवारी, डिप्टी आरएमओ ने कहा कि पिछले साल जितनी धान खरीद हुई थी, वही इस साल शासन ने लक्ष्य निर्धारित किया है। पांच एजेंसियों ने 74000 मीट्रिक टन धान खरीदा जाना है, जिसमें से 88 प्रतिशत धान खरीद हो चुकी है। शेष लक्ष्य भी शीघ्र पूरा कर लिया जाएगा।

गोवर्धन लीला की कथा सुन मंत्र मुक्त हुए लोग

—भारतीय बस्ती संवाददाता— अयोध्या (रामनगरी की प्रतिष्ठित पीठ श्रीउत्तर तोताद्रिमठ, विभीषणकुंड के वर्तमान पीठाधीश्वर श्रीमज्जगतगुरू रामानुजाचार्य स्वामी अनंताचार्य महाराज के 75 वें अमृत जयंती महोत्सव चल रहे सप्तम दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के पंचम दिवस की बेला में श्री महाराज जी ने व्यास पीठ से कथा के मार्मिक प्रसंगों का श्रवण कराते हुए कहा भक्त वत्सल प्रभु माया रूपी पूतना को भी उत्तम गति प्रदान करते है। प्रभु श्री कृष्ण शिक्षा देते हैं व्यक्ति चाहे दुष्ट भाव से ही क्यों नहीं यदि मेरी शरण में आ जाता है तो प्रभु श्री कृष्ण का गुण है शरणागत रक्षक है,भगवान श्री कृष्ण के सभी संस्कार गर्गाचार्य जी यथा समय पूर्ण करते है। बचपन से ही प्रभु श्री कृष्ण अनेकों राक्षसों का संहार करते हैं प्रभु माखन चोरी लीला के माध्यम से जन्म जन्मांतरों के पाप को चुराकर पुण्य उदित करने हेतु गोपियों के घर जाकर माखन चोरी लीला करते हैं प्रभु गोचारण करने वन में जाते हैं, गौ माता की सेवा नित्यप्रति करते हैं गाय संपूर्ण विश्व की माता है गौ सेवा से ही गोविंद प्रसन्न होते हैं

यमुना जी के विषाक्त जल को पवित्र करने के लिए कालिया नाग को प्रभु सरण में लेकर दूर भेज ते है ब्रज में प्रभु श्री कृष्ण के जन्म लेने से नित्य उत्सव मनाया जाते है। प्रभु श्री कृष्ण का दर्शन पाकर सभी बृजवासी अपने को धन्य समझते है गिरिराज धरण की लीला के द्वारा प्रभु प्रकृति के पूजन का महत्व बताते हैं प्रभु श्री गोवर्धन पर्वत की पूजा सभी ब्रज वासियों से कराते हैं इंद्र सामंत मेघों के द्वारा ब्रज में घोर वृष्टि कराते हैं सभी ब्रजवासियों के देखते–देखते कनिष्ठा अंगुली में सात कोस लंबे चौड़े गिरिराज पर्वत को उठा लेते हैं घबराकर इंद्र प्रभु चरणों में शरणागति करते हैं शरण में आए इंद्र को प्रभु अपना लेते हैं गोवर्धन लीला का महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। कथा के समापन सत्र में श्रीबालदेशिक सोपान ट्रस्ट उत्तर तोताद्रिमठ विभीषणकुंड के मैनेजर एवं ट्रस्टी केशव नारायण दूबे द्वारा पधारे हुए संत–महंतों, जगतगुरु, महामंडलेश्वरों का माल्यार्पण, अंगवस्त्र ओढ़ा, भेंट–विदाई देकर स्वागत–सम्मान किया। अमृत जयंती महोत्सव को श्रीराम जानकी मंदिर बड़ा स्थान सतना, मध्य प्रदेश के श्रीमज्जगदगुरु रामानुजाचार्य स्वामी धरणीधराचार्य महाराज अपना पावन सानिध्य प्रदान कर रहे थे। कार्यक्रम का संचालन स्वामी रामचंद्राचार्य महाराज ने किया।

सरकारी बाबू मिश्रा जी की पत्नी ने बुर्का पहन कर किया पति का पीछा, फिर सच्चाई आ गई सामने

संवाददाता—महराजगंज। एक सरकारी बाबू मिश्रा जी की पत्नी का आरोप है। उनके पति कई महिलाओं से बातचीत करते हैं। इस बात की पुष्टि नहीं कर पाती थी। एक दिन उन्होंने बुर्का पहन कर अपने पति का पीछा किया। जब एक होटल पर वह बैठकर दो अन्य महिलाओं से बातचीत कर रहे थे। तब तक पीछे से पत्नी भी पहुंच गई। जैसे उसने बुर्का उठाया पति की हवाइयां उड़ गई। उन्होंने यहीं से सफाई देना शुरू किया। पत्नी ने उनकी एक बात नहीं सुना। बात इतनी बढ़ गई की उन्होंने पति का कालर पकड़कर उन्हें खींचते हुए उनके ऑफिस तक ले गई। और उन्हें सस्पेंड करने की मांग करने लगी। हंगामा बढ़ता देख अधिकारियों ने पहुंचकर दोनों को घर भेज दिया। कहा यह पारिवारिक मामला है वहीं पर निपटा लो उसके बाद ऑफिस आना। जिले की बाल विकास परियोजना विभाग में तैनात एक बाबू से पूरा मामला जुड़ा है। इस कार्यालय में तैनात बाबू अक्सर ऑफिस का बहाना बनाकर 24 घंटे अपने घर से गायब रहते हैं। घर पर इनके आने–जाने का कोई निश्चित

समय नहीं है। अपने परिवार और बच्चों पर ध्यान नहीं देते हैं। आप तो यहां तक लग रहे हैं कि बाबूजी के कई महिलाओं से संबंध है। बाबूजी की पत्नी जासूसी करते हुए कई महिलाओं के घर तक पहुंची लेकिन उन्हें कोई ठोस सबूत नहीं मिला। अब बुर्का पहन कर वीडियो सामने आने के बाद विवाद और बढ़ गया।

16 जनवरी को बाबूजी की पत्नी ने बुर्का पहनकर पति का पीछा किया। उन्हें एक मिठाई की दुकान पर दो महिलाओं के साथ बात करते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया। वीडियो बनाने लगी। अन्य महिलाओं ने वीडियो बनाने का विरोध किया। और पति–पत्नी के बीच न आने की बात कहकर चली गईं। लेकिन मामला इतना बढ़ गया कि मिश्रा जी ने पत्नी का मोबाइल पटक कर तोड़ दिया।

बुरका पहने महिला विकास भवन पहुंचकर कार्यालय में जबरदस्त हंगामा किया। अपने पति बाबू को सस्पेंड करने की मांग करने लगी। काफी समझाने–बुझाने के बाद दोनों को घर भेजा गया। इस दौरान महिला के चिल्लाने की आवाज से पूरा विकास भवन परिसर और रास्ते में बवाल मच गया। महिला ने अभी तक कोई लिखित शिकायत नहीं की है। लेकिन एक बात तो तय है कि बाबू को लेकर जो विवाद देश भर में हो रहा है। यहां बुर्का पहनना बाबूजी की पत्नी को जासूसी करने में काफी काम आया है।

भक्त को भगवंत से कैसे प्रेम करना चाहिए, अंगद टीला पर चल रहे श्री राम कथा में शास्त्री जी ने समझाया

—भारतीय बस्ती संवाददाता— अयोध्या। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट द्वारा अंगद टीला पर आयोजित श्री राम कथा में आचार्य राधेश्याम शास्त्री जी महाराज ने बताया कि दूसरों से प्रेम हो सकता है पर आसक्ति और मोह तो शिर्फ अपनों ने ही होती है।मोह में जैसी तन्मयता होती है, वैसी ही तन्मयता साधना के प्रति नही हो पाती है।साधारणतया साधकों के जीवन में वैसी तन्मयता नहीं देखी जाती। कोई भी पत्नी पति का नाम हाथ में माला लेकर नहीं जपती। पुत्र–पिता आदि के नाम–स्मरण के लिये किसी साधना की आवश्यकता नहीं पड़ती। ये तो सहज रूप से याद हो जाते हैं। जहाँ मोह होता है वहां तो स्वाभाविक रूप से बिना प्रयास के ही उसकी स्मृति निरन्तर बनी रहती है। प्रत्येक व्यक्ति इसका अनुभव कर सकता है।

श्री महाराज जी ने बताया कि इसीलिये गोस्वामीजी से जब यह पूछा जाता था कि भगवान् से प्रेम कैसे हो?नामजप कैसे हो ? तो वे इन्हीं सम्बन्धों की तीव्रता के कारण कहते हैं कि,सुत की प्रीति प्रतीत मीत की नृप ज्यों डर डरिए |सांसारिक नातों में जिस प्रेम की अनुभूति हम करते हैं, उसी भाँति ईश्वर से भी हमारा प्रेम होना चाहिए। गोस्वामीजी मानस के अन्त में इसी तरह की कामना प्रकट करते हैं। प्रभु ने पूछा–"अब ग्रन्थ तो पूरा हो गया, बताओ तुम क्या कहते हो?" प्रभु! मैं आपके चरणों में प्रेम चाहता हूँ।,कैसा प्रेम चाहते हो? लक्ष्मण की तरह, भरत की तरह या कि हनुमान्‌ की तरह? तुलसीदास जी महाराज ने कहा कि मैं तो इन भक्त शिरोमणियों के नाम लेने योग्य भी नहीं हूँ,तब तुम किस प्रकार का प्रेम चाहते हो?गोस्वामीजी ने प्रभु से कहते हैं,कामिहि नारि पिआरि जिमि लोभिहि प्रिय जिमि दाम |तिमि रघुनाथ निरन्तर प्रिय लागहु मोहि राम |कामी व्यक्ति को जैसा प्रेम स्त्री और लोभी को धन से होता है वैसा ही आपसे मेरा प्रेम हो |क्या किसी धनी को अभ्यास करना पड़ता है कि उसे अपने धन का स्मरण बना रहे? उसका अन्तःकरण तो सदैव उसी में डूबा रहता है। उसी प्रकार स्त्री–पुरुष के सम्बन्धों में, जहाँ रागात्मकता होती है, वही बात दिखाई देती है। श्री राम कथा में अयोध्या के मेयर गिरिशपति त्रिपाठी सहित हजारों की संख्या में भक्त मौजूद रहे।

राष्ट्रीयता की भावना जगाने को बीस साल से बांट रहे तिरंगा

संवाददाता—कुशीनगर। खड्डा तहसील क्षेत्र का एक समाजसेवी लगातार 20 वर्ष से गणतंत्र व स्वतंत्रता दिवस के अवसर बच्चों में राष्ट्रीयता की भावना जागृत करने के लिए गांव–गांव घूमकर घर–घर तिरंगा झंडा का वितरण कर रहा है। इस वर्ष भी गणतंत्र दिवस से पूर्व नौगांवा निवासी समाजसेवी लाल बाबू कन्नौजिया लगभग एक हजार तिरंगा झण्डा और टाफी बच्चों में वितरित किया है।

खड्डा तहसील क्षेत्र के ग्राम नौगांवा निवासी समाजसेवी लालबाबू बच्चों में देशप्रेम की भावना पैदा करने लिए विगत 20 वर्षो से बच्चों में तिरंगा झण्डा वितरण कर उनमें देशभक्ति की अलख जगा रहे है। गणतंत्र दिवस के दस दिन पूर्व बुधवार से ही लाल बाबू क्षेत्र के गड़हिया बसंतपुर, कुनेलीपट्टी, महेसरा, रामपुर बांगर, नौगांवा, बरवारतनपुर आदि गांवों में साइकिल से भ्रमण कर बच्चों को टाफी और झण्डा देकर मकानों पर तिरंगा झण्डा लगवाने की अपील की। लाल बाबू का कहना है कि 26 जनवरी तक 15 हजार तिरंगा झंडा वितरण करने का लक्ष्य है।तिरंगे और सेना के सम्मान के लिए यह कार्य कर रहे हैं। युवा पीढ़ी में राष्ट्र के प्रति अलख जगाना उनका उद्देश्य है।

25 जनवरी से 27 फरवरी तक कुम्भ मेला को चलेंगी जिले की 40 बसें

संवाददाता— कुशीनगर। प्रयागराज में आगामी 29 जनवरी को मौनी अमावस्या में श्रद्धालुओं को स्नान कराने के लिए पहुंचाने के लिए परिवहन विभाग ने कमर कसी है। इसके लिए पिछले 25 जनवरी से आगामी 27 फरवरी तक प्रतिदिन पडरौना व कसया बस स्टेशन से 40 बसें संचालित होंगी। इससे कि श्रद्धालुओं को प्रयागराज पहुंचाने से लेकर घर वापसी तक किसी प्रकार की दिक्कत पैदा न हो। पडरौना डिपो की अलावा इन 40 बसों को गाजियाबाद रीजन से एलाट हुई है। गाजियाबाद डिपो की बसें पडरौना डिपो को पिछले 21 जनवरी को मिल जायेगी। इसके बाद विभाग सवारियों की संख्या के आधार पर संचालन करेगा।

विवाहिता को भेजा अश्लील मैसेज, आरोपी की पिटाई

संवाददाता—महराजगंज। श्यामदेउरवां थाना क्षेत्र के एक गांव की विवाहिता के मोबाइल पर बगल के युवक ने दूसरे के मोबाइल फोन से अश्लील मैसेज भेज दिया। इसकी जानकारी पति को हुई तो उसने आरोपी की पिटाई कर दी। मारपीट के बाद मामला थाने पहुंचा। दोनों पक्षों ने सुलह समझौता कर लिया। जानकारी के अनुसार, श्यामदेउरवां थाना क्षेत्र के एक गांव का युवक छह वर्ष पहले बगल के गांव की युवती के साथ प्रेम विवाह किया था। दो जनवरी को एक मोबाइल नंबर से उसके मोबाइल फोन पर अश्लील मैसेज आने लगा। जब इसकी जानकारी विवाहिता के पति को हुई तो उसने मोबाइल नंबर के जरिए मैसेज करने वाले युवक का पता लगाने में जुट गया। उक्त नंबर बगल के गांव के रहने वाले एक युवक का निकला। युवक से पति ने पूछताछ की तो उसने बताया कि उसका मोबाइल लेकर रिश्ते में विवाहिता का देवर लगने वाले उसी गांव के युवक ने मैसेज किया था। श्यामदेउरवां बढ़हरा बरईपार मार्ग पर शिव चौक पर कुछ युवक इकट्ठे होकर मैसेज करने वाले युवक को बुलाया और सिवान में ले जाकर उसकी धुनाई कर दी। इसके बाद आरोपी युवक के कुछ सहयोगी भी आ गए और दोनों पक्षों में मारपीट शुरू हो गई। अंधेरा होने के कारण किसी तरह मामला शांत हुआ। बृहस्पतिवार की सुबह श्यामदेउरवां चौराहे पर पुनः दोनों पक्षों के परिजन आपस में भीड़ गए। गहमा–गहमी के बीच मामला थाने पहुंचा। जहां घंटों तक बातचीत होने के बाद दोनों पक्षों ने सुलह समझौता कर लिया।

मिल्कीपुर उपचुनावः भाजपा प्रत्याशी ने दाखिल किया नामांकन, प्रदेश अध्यक्ष सहित कई मंत्री रहे मौजूद

संवाददाता–अयोध्या। मिल्कीपुर उपचुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी चंद्रभानु पासवान ने बृहस्पतिवार को नामांकन पत्र दाखिल कर दिया है। पार्टी प्रत्याशी ने पहले दो सेट में पूर्व सांसद लल्लू सिंह के साथ जाकर नामांकन दाखिल किया। इसके बाद दो सेट में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह के साथ नामांकन पत्र दाखिल किया। इस दौरान मिल्कीपुर उपचुनाव की जिम्मेदारी संभाल रहे प्रदेश सरकार के सातों मंत्री, भाजपा के वरिष्ठ नेता और पदाधिकारी मौजूद रहे। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने मिल्कीपुर उपचुनाव में पार्टी प्रत्याशी चंद्रभानु पासवान के समर्थन में बृहस्पतिवार को जनसभा की। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि उपचुनाव में मिल्कीपुर की जनता परिवारवादियों और राम विरोधियों को जवाब देगी। जिन लोगों ने राम भक्त का सेवकों का खून बहाया है, उन्हें सबक मिलेगा। जनसभा में प्रदेश के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, सहकारिता मंत्री जीपीएस राठौर, खेल मंत्री गिरीश चंद्र यादव, खाद्य एवं रसद राज्य मंत्री सतीश शर्मा, आयुष मंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु, महापौर गिरीश त्रिपाठी, विधायक रामचंद्र यादव, अमित सिंह चौहान, पूर्व सांसद लल्लू सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह और एमएलसी अवनीश पटेल मौजूद रहे।

इस मौके पर यूपी सरकार के मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने दावा किया है कि उपचुनाव में भाजपा जीत के सारे रिकॉर्ड तोड़ देगी और कमल खिलेगा। उन्होंने कहा कि सपा और कांग्रेस संविधान के मुद्दे पर पूरी तरह एक्सपोज हो चुकी हैं। इन लोगों ने हमेशा ही कानून और संविधान का उल्लंघन किया है। कांग्रेस ने देश पर आपातकाल थोपा। यह दुर्भाग्य है कि जिस कांग्रेस ने मुलायम सिंह यादव को जेल में डाला सपा उन्हीं का समर्थन कर रही है। ये लोग अब अफवाह पैदा कर रहे हैं अफवाह एक बार चलती है बार–बार नहीं चलती है। ये लोग आम जनता के हकों पर डाका डालते रहे हैं। सरकारी खजानों पर डाका डाला अब जनता इनके झांसे में नहीं आएगी।

यूपी सरकार के मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि सपा ने नेता पुत्र को ही टिकट दिया है। जनता वंशवाद को नकार देगी और मिल्कीपुर में भाजपा एकतरफा जीत दर्ज करेगी। डबल इंजन की सरकार में सभी को विकास योजनाओं का लाभ मिल रहा है। गरीबों को पक्का घर, शौचालय, राशन और पक्की सड़क दी जा रही है। जनता सपा के परिवारवाद को नकार देगी और भाजपा की उपचुनाव में एक तरफा जीत होगी।

करोड़ों का राजस्व देने वाली बरदहिया में सुविधाओं का अकाल

संवाददाता–संतकबीरनगर। नगर पालिका परिषद खलीलाबाद को करोड़ों का राजस्व देने वाला बरदहिया मोहल्ला भी उपेक्षाओं का दंश झेल रहा है। इस मोहल्ले में मिश्रित संप्रदाय के लोग रहते हैं। सप्ताह में दो दिन कपड़ों के थोक का बाजार लगता है। स्थानीय ही नहीं अपितु प्रदेश के कोने – कोने से कारोबारी यहां पर आकर व्यापार करते हैं और लाखों की आमदनी अर्जित करते हैं। फिर भी पालिका इस मोहल्ले के विकास के प्रति उदासीन बना हुआ है। पूरब की ओर से आने पर जैसे ही शहर की ओर बढ़े वहीं पर संतकबीर पार्क बना है। यह पार्क पूरी तरह से बरदहिया मोहल्ले में बना हुआ है। पूरब की ओर से यहीं पर बरदहिया मोहल्ला शुरू हो जाता है। पश्चिम दिशा की ओर भेली मंडी तक बरदहिया मोहल्ला माना जाता है। इस मोहल्ले में कपड़े की थोक मंडी भी लगती है। लगभग पांच सौ मीटर हाईवे से यह मोहल्ला सटा हुआ है। बड़े पैमाने पर लोग हाईवे के किनारे कपड़ों का कारोबार करते हैं।

बाहर से आने वाले व्यापारी यहीं से कपड़ों की खरीदारी करते हैं और अपने जिले में ले जाकर बेंचते हैं। लेकिन इन कारोबारियों ने तमाम दुश्वारियों का सामना करना पड़ता है। बरसात के समय में कीचड़ और जल जमाव की समस्या से कारोबारी परेशान हो जाते हैं। इतनी बड़ी बाजार के लिए शौचालय, पेयजल सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं की भी व्यवस्था नहीं है। कोरोबार के लिए आने वाले व्यापारी यहां पर बड़ी तादाद में रूपया जमा कर जाते हैं। व्यापारियों का दर्द तब और बढ़ जाता है जब उनकी उनकी उम्मीदों के अनुरूप सुविधाएं नहीं मिलती है। बरदहिया वार्ड में लगने वाली बरदहिया बाजार शनिवार से गुलजार हो जाती है और सोमवार तक चलती है। यहां कारोबारियों की भीड़ इतनी होती है कि बरदहिया वासियों को जाम से जूझना पड़ता है। पैदल चलना भी कठिन हो जाता है।

बरदहिया बाजार पार होने में दो से तीन घंटे तक का समय कभी –कभी लग जाता है। स्थानीय लोग तो अपने वाहन निकाल ही नही पाते हैं। इसके लिए पुलिस के जवानों को भारी मशक्कत करनी पड़ती है। जाम का प्रमुख कारण पटरियों तक दुकानों का कब्जा होना है।

जनपद में 203 सरकारी संपत्तियों पर है वक्फ का कब्जा

संवाददाता–संतकबीरनगर। जनपद में वक्फ बोर्ड के संपत्तियों की जांच पूरी हो गई है। एक–एक भूमि का सत्यापन कराया गया है। सत्यापन के बाद शासन को रिपोर्ट प्रेषित कर दी गई है। 20 जनवरी को इसे सार्वजनिक भी किया जाएगा। जनपद में वक्फ बोर्ड के कब्जे में कुल 203 सम्पत्ति ऐसी पाई गई है जो अवैध रूप से कब्जा की गई है। इसमें ग्राम समाज की भूमि के साथ अन्य तरह की सरकारी भूमि शामिल है। 20 जनवरी को सूची सार्वजनिक होने के बाद इन्हे खाली कराए जाने की भी प्रक्रिया शुरू हो सकती है।

वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर बनी जेपीसी के निर्देश पर वक्फ संपत्तियों का सत्यापन कराया गया। केन्द्र सरकार वक्फ संशोधन विधेयक पास करने से पहले इन सम्पत्तियों का सत्यापन कराने का निर्देश जारी किया था। केन्द्र सरकार के निर्देश पर प्रदेश के सभी जनपदों में सत्यापन कराया गया। जिले की तीनों तहसीलों मेंहदावल, खलीलाबाद और धनघटा में सत्यापन का कार्य पिछले दिनों कराया गया।

वक्फ बोर्ड के पास जितनी भी संपत्ति है उसका एक–एक कर के अधिकारियों ने जांच किया। नए और पुराने अभिलेख खंगाले गए। अभिलेखों की जांच में जनपद में 203 सम्पत्ति ऐसी मिली जिसपर वक्फ बोर्ड अवैध रूप से कब्जा है। इसमें कहीं मस्जिद बनी है तो कहीं मदरसा संचालित है। कई कब्रिस्तान भी सरकारी जमीन में पाया गया है। प्रशासन ने सत्यापन के बाद रिपोर्ट शासन को भेज दिया है। हालांकि अभी रिपोर्ट को सार्वजनिक नहीं किया गया है। 20 जनवरी को इसको सार्वजनिक किया जा सकता है। इसके बाद शासन स्तर से जैसा निर्देश होगा उस अनुसार प्रशासन स्तर से कार्रवाई की जाएगी।

वक्फ संपत्तियों को लेकर शासन स्तर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए समीक्षा किया गया। जिलाधिकारी के साथ ही एडीएम और तीनों तहसीलों के एसडीएम इसमें शामिल हुए। समीक्षा के दौरान वक्फ संपत्तियों के सम्पूर्ण विवरण प्राप्त किया गया।

महेन्द्र सिंह तंवर, जिलाधिकारी, ने कहा कि जनपद में 203 सम्पत्ति वक्फ बोर्ड के पास ऐसी पाई गई है जो सरकारी है। इसमें ग्राम समाज के साथ ही अन्य सरकारी भूमि भी शामिल है। तीनों तहसीलों में इसे चिन्हित कर लिया गया है। शासन को रिपोर्ट भी भेज दी गई है।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्रर्ह समायत अपील

अपील सं0–109

अदालत– श्रीमान बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी महोदय बस्ती जिला–बस्ती

रामसजीवन आदि

बनाम

लालमणि आदि

1. लालमणि पुत्र राम अजोर 2. आनन्द कुमार 3. दीपक कुमार पुत्रगण हरीश कुमार 4. सुमित्रा देवी पत्नी हरीश कुमार 5. सुरेश कुमार पुत्र राम सुमेर 6. पवन कुमार पुत्र रामकुबेर 7. अरुण कुमार पुत्र राम कुबेर 8. महेश कुमार 9. देवेश कुमार पुत्रगण रामसनेही 10. राममणि 11. राजमणि पुत्रगण राम संवारे निवासीगण ग्राम कलानीखुर्द तप्पा सिकन्दरपुर परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 30–01–2025

अपील बनराजी अदालत सी0ओ0 हर्रैया मुकाम

मयरिखा 26 महीना 05 सन् 2018 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 30 महीना 01 सन 2025 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

प्रकीर्णवाद सं. 391 / 2024

काफील अहमद –सायलान

1. काफील अहमद पुत्र स्व0 जमादार 2. अजरूननिशा पत्नी स्व0 जमादार निवासीगण ग्राम बेलसड़ तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 18–01–2025

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925

दरख्वास्त मुसम्मा

वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 18–01–2025 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्रर्ह समायत अपील

प्रकीर्ण अपील सं0–48 / 2024

अदालत– श्रीमान षष्टम् अति0 जिला जज महोदय बस्ती जिला–बस्ती

आदित्य कुमार पाण्डेय

बनाम

अली अहमद आदि

1/1 मेहताब आलम पुत्र अली अहमद 2– अरविन्द पाण्डेय पुत्र स्व0 दिवाकर पाण्डेय 3/1 आशुतोष पाण्डेय पुत्र चन्द्रशेखर पाण्डेय 4/1 अभिषेक पाण्डेय 4/2 अशोक पाण्डेय पुत्रगण जनार्दन पाण्डेय 6– अमित पाण्डेय पुत्र सुधाकर पाण्डेय 7– श्रीमती विजय लक्ष्मी पत्नी स्व0 सुधाकर पाण्डेय निवासीगण ग्राम निपनिया खुर्द तप्पा रुधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला– बस्ती

तारीख पेशी 31–01–2025

अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 31 महीना 01 सन 2025 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

कड़ाके की ठंड के बीच दर्शन का उल्लास

संवाददाता–अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में प्रभु श्री राम के दर्शन का उल्लास कम होने का नाम नहीं ले रहा है। नए वर्ष में श्रद्धालुओं के आने का क्रम लगातार बढ़ता ही जा रहा है। प्रतिष्ठा द्वादशी में श्रद्धालुओं का बढ़ा हुआ उत्साह मकर संक्रांति पर और बढ़ गया। पहली जनवरी को रामलला के दर्शन के साथ वर्ष की शुरुआत करने का क्रेज श्रद्धालुओं में खूब रहा। आधी रात के बाद से ही श्रद्धालुओं ने भीड़ के कई रिकॉर्ड तोड़े। इधर प्रतिष्ठा द्वादशी के दिन तीनों ही दिन औसतन सवा लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने मंदिर में माथा टेका। मकर संक्रांति के दिन महाकुंभ नगर से श्रद्धालुओं की लौटती भीड़ ने पूरे अयोध्या को जाम कर दिया। गुरुवार को भी कमोबेश मंदिर में यही स्थिति देखने को मिली। सुबह 6रु30 बजे से ही श्रद्धालुओं के दर्शन का क्रम शुरू हो गया। लंबी–लंबी कतार के बीच सिर्फ और सिर्फ जय श्री राम के उद्घोष और उत्साह ही देखने को मिल रहा है। बिरला गेट से हनुमानगढ़ी तक श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ है। सुरक्षा कर्मी लगातार वाहनों को मंदिर परिसर से 3 किलोमीटर की परिधि के बाहर ही रोक कर श्रद्धालुओं की राह आसान करने में जुटे हैं।

पर्ची के अभाव में भटक रहे गन्ना किसान

संवाददाता–संतकबीरनगर। नाथनगर क्षेत्र के गन्ना क्रय केंद्र कुशहवा से क्षेत्र के किसानों को पर्ची नही मिल रही है। जिससे किसान पर्ची के लिए भटक रहे हैं। उनका गन्ना सूख रहा है। लेकिन मिल द्वारा शिकायत के बाद भी पर्ची आवंटित नहीं की जा रही है। क्रय केंद्र पर सन्नाटा पसरा हुआ है। पर्ची न मिलने को लेकर किसान चिंतित हैं। नाथनगर ब्लाक क्षेत्र के कुशहवा और हरपुर में मुंडेरवा गन्ना पेराई मिल द्वारा तौल केंद्र स्थापित किया गया है। जहां क्षेत्र के हरपुर, रतनपुर, भगौतीपुर, सिंगापुर, धायपोखर, मुड़ियारी, झिंगुरापार, छितही, केवटली, बारीडीहा, गौरा खुर्द आदि दर्जन गांवों के किसान भारी संख्या में गन्ना की खेती करते हैं। लेकिन समय से पर्ची न मिलने से जहां एक तरफ उनकी गेहूं की बुवाई प्रभावित हो गई है। वहीं समय से गन्ना की पर्ची न मिलने से गन्ने की फसल खेत में पड़ी हुई है। समय से गन्ना न बिकने से घाटा होने की प्रबल संभावना है। अगर उन्हें पर्ची समय से नहीं मिली तो उनकी भर्ती भी निकलना दुश्वार हो जाएगा। उपरोक्त लोगों ने बताया कि वह पिछले एक पखवाड़े से पर्ची के लिए केंद्र पर चक्कर लगा रहे हैं। लेकिन उन्हें पर्ची नहीं मिल पा रही है। जिससे उनका गन्ना खेत में सूख रहा है। इस संबंध में क्रय केंद्र हरपुर के प्रभारी शुभम मिश्रा ने बताया कि किसानों के आग्रह पर मिल द्वारा शीघ्र ही पर्ची जारी की जाएगी।

दुष्कर्म के आरोपी जेसीबी चालक पुत्र को उम्रकैद, पिता को एक वर्ष का सश्रम कारावास

संवाददाता–संतकबीरनगर। अवयस्क दलित किशोरी के साथ दुष्कर्म करने के आरोपी जेसीबी चालक को एडीजे एवं विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट कृष्ण कुमार पंचम की कोर्ट ने दोषसिद्ध करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई। जबकि आरोपी पिता को पाक्सो कोर्ट ने दलित उत्पीड़न का दोषसिद्ध करार देते हुए एक वर्ष के सश्रम कारावास का सजा सुनाया।

दुष्कर्म के आरोपी पुत्र सूरज विश्वकर्मा पर कोर्ट ने विभिन्न धाराओं में 11 हजार रुपए तथा आरोपी पिता राम सागर उर्फ सागर विश्वकर्मा पर एक हजार रुपए कुल 12 हजार रुपए का अर्थदण्ड भी लगाया है। अर्थदण्ड का भुगतान न करने पर आरोपी सूरज को एक वर्ष की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। कोर्ट ने अर्थदण्ड की 12 हजार रुपए की सम्पूर्ण धनराशि पीड़िता को देने का भी फैसला सुनाया है। इसके साथ ही कोर्ट ने नालसा प्रतिकर स्कीम के अंतर्गत पीड़िता को 25 हजार रुपए का प्रतिकर देने का भी फैसला दिया।

विशेष लोक अभियोजक पाक्सो एक्ट अमिन्नपुपाल, सत्य प्रकाश गुप्ता, सत्येन्द्र शुक्ल व अनिल कुमार सिंह ने बताया कि प्रकरण कोतवाली खलीलाबाद थानाक्षेत्र के एक गांव का है। जबकि आरोपी पिता – पुत्र गोरखपुर जनपद के हरपुर बुदहट थानाक्षेत्र के ग्राम रेवड़ा विजयपुर के रहने वाले हैं। प्रकरण में पीड़िता की मां ने अभियोग पंजीकृत कराया था। उसका आरोप था कि वह अनुसूचित जाति की महिला है।

16 फरवरी 2022 की रात समय लगभग 11 बजे उसकी अवयस्क पुत्री अकेले शौच के लिए गई थी। उसी समय आरोपी सूरज विश्वकर्मा पुत्र राम सागर विश्वकर्मा जो गांव के श्याम मिश्र के यहां जेसीबी चलाता है। उसकी पुत्री को पकड़ लिया और उसका मुंह रुमाल से बांधकर बगल में स्थित श्याम मिश्र के टिन शेड में ले जाकर दुष्कर्म कर रहा था। पुत्री को खोजते हुए वादिनी पहुंची तो देखा कि आरोपी चाकू दिखाकर दुष्कर्म कर रहा था।

वादिनी को देखकर गाली व जान से मारने की धमकी देते हुए चाकू लहराते हुए भाग गया। दूसरे दिन वादिनी श्याम मिश्र से शिकायत किया। श्याम मिश्र ने आरोपी के पिता को फोन किया। उसके पिता आए और गलती की क्षमा मांगने लगे। वादिनी ने इज्जत का हवाला देते हुए पुत्री से शादी करने की बात किया। आरोपी के पिता ने घर पर बात करके शादी का आश्वासन दिया। 20 फरवरी 2022 को आरोपी के पिता ने कहा कि 25 हजार रुपया ले लो। शादी नहीं हो सकती है।

पुलिस ने अभियोग पंजीकृत करके विवेचना के उपरांत सूरज के विरुद्ध दुष्कर्म व पाक्सो एक्ट व पिता रामसागर के विरुद्ध दलित उत्पीड़न का आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया। विशेष लोक अभियोजक पाक्सो एक्ट अमिन्नपुपाल ने बताया कि अभियोजन की तरफ से कुल छह साक्षी तथा बचाव पक्ष की तरफ से तीन साक्षी न्यायालय में प्रस्तुत किए गए।

एडीजे व विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट कृष्ण कुमार पंचम की कोर्ट ने सुनवाई के पश्चात आरोपी सूरज को दोषसिद्ध करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई। जबकि आरोपी राम सागर को दलित उत्पीड़न के आरोप में दोषसिद्ध करार देते हुए एक वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

मूलवाद सं0– 90 / 2024

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती

कृष्णावती आदि

बनाम

परमात्मा आदि

1. परमात्मा उम्र 50 वर्ष पुत्र भगवानदास 2. सिनकान उम्र 70 वर्ष पुत्र रामनरेश 3. सूर्यभान उम्र लगभग 45 वर्ष 4. चन्द्रभान उम्र लगभग 40 वर्ष पुत्रगण रामतेज साकिनान मौजा नौवागाड़ा तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 21–02–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 21 माह 02 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

मूलवाद सं0– 207 / 2022

न्यायालय–श्रीमान अपर प्रधान न्यायाधीश / परिवार न्यायालय महोदय बस्ती जिला–बस्ती

मो0 शमीम

बनाम

श्रीमती तबस्सुम आदि

1. श्रीमती तबस्सुम पत्नी मो0 शमीम साकिन बिल्लौर तप्पा कड़र परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती हाल मुकाम पुत्री मो0 शमशेर अली साकिन छतरिया तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली पो– मितेहरा जिला–बस्ती

विपक्षी प्रथम वर्ग

2. मो0 शमशेर अली पुत्र सुबराती 3. नसीकुनिशा पत्नी मो0 शमशेर अली 4. मो0 सलमान पुत्र मो0 शमशेर अली साकिन छतरिया तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली पो– मितेहरा जिला–बस्ती

विपक्षीगण द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 19–02–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 19 माह 02 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 06 माह 01 सन 2025 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्रर्ह समायत अपील

मुतफकरा अपील सं0–47 / 2024

अदालत– श्रीमान जिला जज महोदय बस्ती जिला–बस्ती

श्रीमती संजीदा खातून

बनाम

श्रीमती सवरून्निशां आदि

1. श्रीमती सवरून्निशां उमर लगभग 70 साल पत्नी सिराजुहक ग्राम0– जयविजय, पो0– पड़री, तप्पा–कोरऊ परगना–महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती

रेस्पान्डेन्ट प्रथम श्रेणी / प्रतिवादिनी प्रथम श्रेणी

2. अलीमुन्निशां उमर लगभग 50 साल पत्नी जब्बार अली ग्राम0– जयविजय, पो0– पड़री, तप्पा–कोरऊ परगना–महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती

रेस्पान्डेन्ट द्वितीय श्रेणी / प्रतिवादिनी द्वितीय श्रेणी

तारीख पेशी 04–02–2025

अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 04 महीना 02 सन 2025 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अब सरकारी चिकित्सक प्राइवेट प्रैक्टिस किए तो खैर नहीं

संवाददाता–संतकबीरनगर। सरकारी चिकित्सकों के द्वारा आए दिन निजी प्रैक्टिस करने की शिकायत शासन तक होती रही है। इस मामले में हाईकोर्ट ने एक आदेश पारित किया है। इसमें जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सतर्कता समिति गठित कर ऐसे चिकित्सकों पर कार्रवाई करने के आदेश दिए हैं। इसी क्रम में प्रमुख सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा ने सभी जिलाधिकारी व सीएमओ को कड़ाई से अनुपालन करने के आदेश दिए हैं। प्रमुख सचिव के द्वारा सीएमओ को भेजे गए आदेश में कहा गया है कि प्रादेशिक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा संवर्ग के राजकीय चिकित्सकों, एलोपैथिक पर प्राइवेट प्रैक्टिस पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाया जाना है।

खलिहान की भूमि पर अवैध निर्माण को लेकर भड़के लोग, किया प्रदर्शन

संवाददाता–संतकबीरनगर। नगर पालिका खलीलाबाद के वार्ड नम्बर तीन बरई टोला में खलिहान की भूमि पर हो रहे अवैध निर्माण को लेकर स्थानीय लोगों ने नाराजगी है। दर्जनों की संख्या में मोहल्ले के लोग कलेक्ट्रेट पहुंचे। जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर अवैध अतिक्रमण के बारे में जानकारी दी। साथ ही मांग किया कि तत्काल खलिहान के भूमि पर अवैध निर्माण पर रोक लगाया जाए। स्थानीय अश्वनी चौरसिया ने बताया कि बरई टोला खलीलाबाद नगर पालिका का सबसे पुराना मोहल्ला है। यहां आज भी ज्यादातर लोग खेती करते हैं। मोहल्ले में गाटा संख्या 522 खलिहान की भूमि है। जिसमें मोहल्ले के सभी लोग कृषि कार्य करते हैं। लेकिन उक्त भूमि पर नगर पालिका परिषद के द्वारा विवाह भवन निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह से गलत है। खलिहान के भूमि पर किसी भी तरह का निर्माण नहीं हो सकता है। यदि इस भूमि पर निर्माण हुआ तो मोहल्ले के लोग अपना कृषि कार्य कहां करेंगे यह बड़ी समस्या होगी। ऐसे में जांच कराते हुए उक्त निर्माण पर रोक लगाने और खलिहान की भूमि को खाली रखने का कार्य कराया जाए। मोहल्ले के लोगों ने कहा कि यदि ऐसा नहीं हुआ तो आगे वृहद आन्दोलन किया जाएगा। इस दौरान रामदीन चौरसिया, शिव प्रसाद, संतोष कुमार, अरविन्द चौरसिया, अमित कुमार, सुशीला देवी, कमलावती देवी, दुर्गेश, राजेश, दीनदयाल चौरसिया, दिनेश कुमार, मिश्री लाल, राम उजागिर, राम अधीन, हिमांशु, राम सुरेश, अमरनाथ, रामचन्द्र, संगीता देवी, प्रभुदीन आदि मौजूद रहे।

संजय कसौधन बने सिद्धार्थनगर विकास मंच के जिलाध्यक्ष

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। जनहित के मुद्दों को जनता की आवाज बनकर शासन–प्रशासन व जनप्रतिनिधियों तक पहुंचाने व उसे धरातल पर उतारने के लिए सिद्धार्थनगर विकास मंच का गठन किया गया। सिद्धार्थ बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष अखंड प्रताप सिंह की अध्यक्षता में गठित कार्यकारिणी में संजय कसौधन को जिलाध्यक्ष, भूप नारायण सिंह को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, अजय कसौधन को उपाध्यक्ष, राजेश शर्मा महामंत्री मनोनीत किया गया है। वहीं डॉ. सीमा मिश्रा मंत्री, डॉ. अभय शुक्ल को संगठन मंत्री, कोषाध्यक्ष शुभम श्रीवास्तव व मीडिया प्रभारी प्रदीप वर्मा को मनोनीत किया गया है। भीमचन्द्र कसौधन, राकेश दत्त त्रिपाठी, सुजीत जायसवाल, श्रीधर पांडेय को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया।

एक सप्ताह के अंदर खाली करें जगह, गोरखपुर में मकान तोड़ने को लेकर चहारदीवारी पर लिखा नोटिस

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर में नाले की जद में आ रहे मकानों को तोड़ने को लेकर नोटिस जारी हो गया है। इन मकानों को तोड़ने से पहले इनके गृहस्वामियों को सरकार की आरे से मुआवजा भी दिया जा चुका है। इसके बाद भी लोग मकान नहीं तोड़ रहे हैं। एक मकान की चहारदीवारी पर प्रशासन की ओर से मकान को खाली करने के लिए नोटिस भी लगाया गया है। दीवार पर लिखा है कि एक सप्ताह के अंदर नाला निर्माण वाले स्थल को खाली कर दें। मकान की चहारदीवार पर लिखे इस संदेश को देखकर नाले पर मकान बनाने वाले लोगों में हड़कंप मचा है। दरअसल जिले के गोड़धोइया नाले की जद में करीब 120 मकान आ रहे हैं। इन मकान को तोड़ा जाना है। मकानों को तोड़ने के लिए मुआवजा भी दिया जा चुका है, इसके बाद भी मकानों को तोड़ा नहीं गया है। इसकी वजह से यहां निर्माण कार्य प्रभावित हो रहा है। वहीं, इसके निर्धारित अवधि में काम पूरा कराने की जल निगम की कोशिशों को पलीता लग रहा है। गोड़धोइया नाले का निर्माण कार्य 01 अप्रैल 2023 से शुरू हुआ था। योजना के तहत 09.20 किमी लम्बाई में नाला का निर्माण किया जाना है। इसके अलावा 17.94 किलोमीटर लम्बाई में इंटरसेप्टिंग सीवर लाइन डाली जानी है। 38 एमएलडी का एक एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) और 61 एमएलडी का एमपीएस (मेन पम्पिंग स्टेशन) का निर्माण किया जा रहा है। 'हिन्दुस्तान' की पड़ताल में खुलासा हुआ कि वर्तमान में जंगल बब्बाशरी, सेमरा, हरसेवकपुर, बशारतपुर, शाहपुर, जंगल मातादीन, जंगल तुलसीराम में 03.80 किलोमीटर लम्बाई में आरसीसी नाला का निर्माण किया जा चुका है। इसी कड़ी में जयरामपुर, कटकट एवं मोहद्दीपुर क्षेत्र में 01.40 किलोमीटर लम्बाई में ड्रेजिंग कर कच्चा नाला बनाया जा चुका है, जिसमें आरसीसी नाला निर्माण का कार्य जारी है। दूसरी ओर रेलवे कॉलोनी के पीछे एसटीपी का 48 फीसदी और मेन पम्पिंग स्टेशन (एमपीएस) का 55 फीसदी निर्माण कार्य पूरा किया जा चुका है। अधिशासी अभियंता पंकज कुमार ने बताया कि कुल 51 फीसदी काम कराया जा चुका है। बशारतपुर में आदित्यपुरी कॉलोनी और शाहपुर के मैत्रीपुरम कॉलोनी में कुल 30 मकान ऐसे हैं, जिन्हें मुआवजा लेने के बाद भी लोगों ने तोड़ा नहीं है। इसके अलावा वहां 66 मकान ऐसे हैं, जो वांछित चौड़ाई में नहीं तोड़े गए हैं। इसी तरह अलग–अलग स्थानों पर 36 मकान और हैं, जिनके कारण 01.80 किलोमीटर लम्बाई में नाला का निर्माण कार्य बाधित है। उत्तर प्रदेश जल निगम नगरीय अधिशासी अभियंता पंकज कुमार ने बताया, नाले के निर्माण की जद में आने वाले भवन मालिकों से संवाद कर उन्हें जल्द से जल्द निर्माण तोड़ने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। वर्तमान हालात से उच्चाधिकारियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों को भी अवगत कराया गया है। जिनके मकान नाले के जद में आ रहे हैं, उन्हें मुआवजा भी मिल चुका है।

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह

संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–

चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय–

आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय–

इलाहीबाग गोरखपुर।

मो09450567450 9336715406,

ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com

bhartiyabasti@gmail.com